10 फरवरी 2025

सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

भाजपा दिल्ली में जीती पर नहीं पड़ेगा बिहार पर असर : तेजस्वी यादव

2

संगम में डुबकी के लिए जद्दोजहद: 10 से 12 घंटे तक जाम में फंसे लोग भूख-प्यास से कराहते रहे, शासन-प्रशासन नाकाम

प्रयागराज के रास्तों में महाजाम, 25 किमी तक फंसे रहे वाहन

- महाकुंभ में भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र के पुलो पर लागू किया गया प्रतिबंध
- जाम के कारण लोग इतना परेशान हो गए कि उनकी और पुलिस की कई जगहों पर नोंकझोंक तक हो गई

एजेंसी/प्रयागराज

संगम में पवित्र डुबकी के लिए प्रयागराज में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं का पहुंचना जारी है। महाकुंभ को शुरू हुए 26 दिन हो चुके हैं और अब तक 42 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र संगम में पवित्र डुबकी लगा चुके हैं। महाकुंभ में रविवार की छुट्टी के चलते श्रद्धालुओं की जबरदस्त भीड़ उमड़ी। आलग यह रहा कि संगम पहुंचने के सभी रास्तों में 20 से 25 किमी लंबा जाम लगा रहा। जगह-जगह गाड़ियां फंसी रहीं। वाराणसी, लखनऊ, कानपुर और रीवा से प्रयागराज आने और जाने वाले रास्तों पर करीब 20-25 किलोमीटर तक वाहनों की लंबी कतारें लगी थीं। 10 से 12 घंटे तक जाम में फंसे लोगों को पानी और खाने तक की सुविधा नहीं मिल रही है, जिससे हालत और खराब हो रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, मुख्य सड़कों पर तो हालात खराब हैं ही साथ ही शहर की गलियों में भी जाम है। महाकुंभ में भीड़ को देखते हुए मेला क्षेत्र के पुलो पर प्रतिबंध लागू किया गया। जाम से लोग इतना परेशान हो गए हैं कि उनकी और पुलिस की कई जगहों पर नोंकझोंक तक हो गई है। साथ ही मेला क्षेत्र में मोबाइल नेटवर्क भी ध्वस्त हो गया है। वहीं प्रयागराज में भी लोगों को घाटों तक पहुंचने के लिए घंटों का इंतजार करना पड़ रहा है। भारी भीड़ को देखते हुए पार्किंग स्थल और रूटों पर आपात प्लान लागू कर दिया गया है।

समापन तक श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ के पार का अनुमान

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में 2 बजे तक कल्पवास में 10 लाख से अधिक श्रद्धालु हैं तो वहीं 99.65 लाख तीर्थयात्री पहुंचे हैं। आज से अब तक कुल 1.09 लाख से अधिक लोगों ने स्नान किया है। वहीं 8 फरवरी तक 42 करोड़ से अधिक लोगों ने स्नान कर लिया है।महाकुंभ में लोग दिन-रात पैदल चल कर 10-12 किमी की दूरी खुशी मन से तय कर रहे हैं। लाखों लोग अपनी तीन पीढ़ियों के साथ संगम में डुबकी लगा रहे है।मेला प्रशासन का दावा है कि ऐसी ही भीड़ रही तो महाकुंभ के समापन तक श्रद्धालुओं की संख्या 60 करोड़ के पार हो सकती है। महाराष्ट्र से आए अशोक, मधुबाला, अमित पांडेय, बिहार की प्रिया, सरोजनी, पवन झां, झारखंड के महंत गोपालदास, नेपाल के दीपक थापा, उत्तराखंड के मनोज, राजेश शर्मा, अमित वत्स आदि का कहना है कि यहां पहुंचने पर सारे कष्ट भूल गए। साथ ही बच्चों को भी खूब अच्छा लग रहा है।

महाकुंभ में फंसे श्रद्धालुओं के लिए हो आपातकालीन व्यवस्था

उत्तर प्रदेश के पूर्व सीएम और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने योगी सरकार पर हमला बोला है। उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर लिखा, प्रयागराज महाकुंभ में फंसे करोड़ों श्रद्धालुओं के लिए तुरंत आपातकालीन व्यवस्था की जाए। हर तरफ से जाम में भूखे, प्यासे, बेहाल और थके तीर्थयात्रियों को मानवीय दृष्टि से देखा जाए। आम श्रद्धालु क्या इंसान नहीं है? प्रयागराज में प्रवेश के लिए लखनऊ की तरफ 30 किमी पहले से ही नवाबगंज में जाम, रीवा रोड की तरफ से गौहनिया में 16 किमी पहले से जाम और वाराणसी की तरफ से 12 से 15 किमी के जाम के व ट्रेन के इंजन तक में भीड़ के प्रवेश कर जाने के समाचार हर जगह प्रकाशित हो रहे हैं। आम जन जीवन दूभर हो गया है। उप्र सरकार असफल हो चुकी है। वो अहंकार से भरे झूठे विज्ञापन में ही दिख रही है लेकिन सच में जमीन पर नदारद है। अखिलेश यादव ने आगे कहा, महाकुंभ के अवसर पर उप्र में वाहनों को टोल मुक्त किया जाना चाहिए, इससे यात्रा की बाधा भी कम होगी और जाम का संकट भी। जब फिल्मों को मनोरंजन कर मुक्त किया जा सकता है तो महाकुंभ के महापर्व पर गाड़ियों को कर मुक्त क्यों नहीं?

संगम तक पहुंचने के लिए 15 से 20 किमी चलना पड़ा पैदल

प्रयागराज में महाकुंभ के चलते लगा जाम सोशल मीडिया पर ट्रेंड कर रहा है। जाम में फंसे लोग मोबाइल से वीडियो बनाकर सोशल मीडिया रील्स शेयर कर रहे हैं और यहां की यातायात व्यवस्था को ध्वस्त बता रहे हैं। लोगों से ट्रेन से महाकुंभ में आने की अपील कर रहे हैं। वीकेंड पर महाकुंभ मेला क्षेत्र में महाजाम लगा रहा। संगम तक पहुंचने के लिए श्रद्धालुओं को 15 से 20 किलोमीटर पैदल चलना पड़ रहा है। वीवीआईपी कल्चर के चलते भी आम लोगों को ज्यादा परेशानियों का सामना करना पड़ा। वीवीआईपी गाड़ियों को बैरिकेड्स हटाकर प्रवेश दिया गया। जिसके चलते भी कई श्रद्धालुओं में नाराजगी देखी गई।

राष्ट्रपति आज संगम में लगाएंगी डुबकी, 8 घंटे से अधिक समय रहेंगी प्रयागराज

प्रयागराज की पावन धरा पर सोमवार को देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू कदम रखेंगी और इसकी भव्यता व दिव्यता की साक्षी बनेंगी। वे आठ घंटे से अधिक समय तक प्रयागराज में रहेंगी और इस दौरान संगम स्नान के साथ ही वह धार्मिक आस्था को और अधिक मजबूती देने के लिए अक्षयवट का दर्शन-पूजन करेंगी। सनातन संस्कृति में अक्षयवट को अमरता का प्रतीक माना जाता है। इसके अलावा वे बड़े हनुमान मंदिर में भी दर्शन करेंगी और पूजा-अर्चना कर देशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना करेंगी। वसंत पंचमी के बाद से महाकुंभ नगर में उमड़ रही भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन महाकुंभ के पांचवें स्नान पर्व पर मौनी अमावस्या वाला प्लान लागू करेगा। श्रद्धालुओं के सुगम आवागमन के लिए सोमवार रात 12 बजे से ही रेलवे यह प्लान लागू कर देगा। इस दौरान अयोध्या, वाराणसी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, कानपुर, झांसी व सतना की ओर ऑन डिमांड ट्रेनें चलाई जाएंगी।

प्रयागराज जंक्शन में एकल दिशा प्लान से ही होगा प्रवेश और निकास

केटी न्यूज/प्रयागराज

महाकुम्भ 2025 में अमृत स्नान पर्वों के बाद भी संगम स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ भारी मात्रा में प्रयागराज आ रही है। महाकुम्भ की शुरूआत हुए 26 दिन हो चुके हैं, अब तक महाकुम्भ में 42 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र संगम में स्नान कर चुके हैं। इसके बाद भी प्रतिदिन महाकुम्भ में देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ती ही जा रही है। महाकुम्भ में भीड़ की बढ़ती संख्या को देखते हुए प्रयागराज रेलवे ने एकल दिशा प्लान को अगले आदेश तक लागू रखने की योजना बनाई है। सुगम और सुरक्षित रेल यात्रा के लिए प्रयागराज रेलवे ने तीर्थयात्रियों के स्टेशन परिसर में प्रवेश और निकास के लिए अलग-अलग मार्गों का निर्धारण किया है।

महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालुओं की बढ़ती भीड़ को देखते हुए प्रयागराज रेल मण्डल ने अगले आदेश तक एकल दिशा प्लान लागू रखने का एलान किया है। रेल मण्डल के पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि प्रयागराज रेलवे ने तीर्थयात्रियों की सुगम और सुक्षित यात्रा को ध्यान में रखते हुए ये निर्णय लिया है। मुख्य स्नान पर्वों की तरह विशेष तौर पर प्रयागराज जंक्शन स्टेशन परिसर में यात्रियों का प्रवेश केवल सिटी साईड प्लेटफार्म नं. 1 से ही कराया जाएगा। जबकि निकास स्टेशन के सिविल लाइंस साइड, प्लेटफार्म नं. 6 और 10 की ओर से ही होगा।

पीआरओ अमित सिंह ने बताया कि स्टेशन परिसर में तीर्थयात्रियों को प्लेटफार्म तक कलर कोडेड टिकट और आश्रय स्लथों के माध्यम से ही पहुंचाया जाएगा। कलर कोडेड आश्रय स्थल दिशावार यात्रियों के गंतव्य स्टेशनों के मुताबिक बनाये गये हैं। जिनमें अस्थाई टिकट घर, शौचालय व यात्रियों के ठहरने की भी व्यवस्था की गई है।

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने 31 नक्सली मारे, दो जवान शहीद

एजेंसी/बीजापुर

छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच हुई बड़ी मुठभेड़ में अब तक 31 वदीर्धारी नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया है। वहीं, सुरक्षाबलों के 2 जवान भी मुठभेड़ में शहीद हुए हैं, जबकि 2 जवान गंभीर रूप से घायल हैं। इसके अलावा अतिरिक्त बल को री-इनपोर्समेंट के लिए घटनास्थल पर भेजा गया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने इसकी पुष्टि की है।

रविवार की सुबह नक्सलियों की इंद्रावती नेशनल पार्क इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। इसके आधार पर डीआरजी और एसटीएफ के जवान सर्च ऑपरेशन पर निकले थे। इस दौरान इंद्रावती नेशनल पार्क इलाके में नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ के दौरान 31 नक्सलियों को जवानों ने मार गिराया है। अब तक 31 वदीर्धारी माओवादियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। सर्चिंग के दौरान सुरक्षाबलों को मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक पदार्थ बरामद हुआ है। मृत नक्सलियों की पहचान की जा रही है।

इस सफलता पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को बधाई दी और कहा कि यह नक्सल मुक्त भारत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। उन्होंने कहा कि मानवता विरोधी नक्सलवाद को समाप्त करने में आज हमने अपने दो बहादुर जवानों को खोया है। यह देश इन वीरों का सदा ऋणी रहेगा। शहीद जवानों के परिजनों के प्रति भावपूर्ण संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। साथ ही पुनः यह संकल्प दोहराता हूँ कि 31 मार्च 2026 से पहले हम देश से नक्सलवाद को जड़ से समाप्त कर देंगे।

मणिपुर के सीएम एन. बीरेन सिंह का इस्तीफा, जनता से मांगी माफी

एजेंसी/इंफाल

मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह ने रविवार शाम मुख्यमंत्री के पद से इस्तीफा दिया। उन्होंने राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया है। पिछले साल के अंत में राज्य में जातीय हिंसा को लेकर मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने जनता से माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि यह पूरा साल बेहद खराब रहा। मैं राज्य के लोगों से तीन मई 2023 से लेकर आज तक जो कुछ भी हुआ है, उसके लिए माफी मांगता हूं। कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया। कई लोगों ने अपना घर छोड़ दिया। मुझे इसका दुख है। पिछले तीन-चार महीनों में शांति की स्थिति देखकर मुझे उम्मीद है कि 2025 में राज्य में सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी।

राज्यपाल को सौंपे गए अपने इस्तीफे में उन्होंने लिखा, मैं नोंगथोम्बम बीरेन सिंह मणिपुर के मुख्यमंत्री के पद से अपना इस्तीफा सौंप रहा हूं। मणिपुर के लोगों की सेवा करना मेरे लिए सम्मान की बात रही है। मैं केंद्र सरकार अत्यंत आभारी हूं, जिन्होंने समय पर कार्यवाही, हस्तक्षेप, विकास कार्य और विभिन्न परियोजनाओं को लागू किया, ताकि मणिपुर के हर एक नागरिक के हित की रक्षा की जा सके। मेरी केंद्र सरकार से ईमानदार अपील है कि वे इसी तरह काम जारी रखें।

बता दें कि राज्य में मई 2023 से जातीय हिंसा चल रही है, जिसमें अब तक 200 से ज्यादा लोग मारे गए हैं और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। नवंबर में मणिपुर के जिरीबाम में तीन महिलाओं और उनके तीन बच्चों की हत्या के बाद भी बवाल हुआ। राज्य में लगातार हो रही हिंसा के चलते एन बीरेन सिंह भारी दबाव में थे और उनको पद से हटाने की मांग जोर पकड़ रही थी।

बिहार के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव

देशभर में 450 नई ट्रेनों के संचालन की घोषणा

केटी न्यूज/पटना

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव रविवार को बिहार का एक दिवसीय दौरा किया। रेल मंत्री बनने के बाद यह उनकी पहली बिहार यात्रा थी, जिसे लेकर कार्यकताओं और स्थानीय लोगों में काफी उत्साह देखा गया। बेतिया रेलवे स्टेशन पर बीजेपी के कार्यकताओं ने फूल-मालाओं और गुलदस्तों से उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान भाजपा के कई वरिष्ठ नेता और स्थानीय कार्यकर्ता मौजूद रहे।

रेल मंत्री के दौरे की सबसे बड़ी उपलब्धि बेतिया में बहुप्रतीक्षित छावनी आरओबी (रेल ओवरब्रिज) का उद्घाटन रहा। उद्घाटन के दौरान रेल मंत्री ने मंच से महिलाओं को बुलाया और उनसे रिमोट कंट्रोल के जरिए ब्रिज का उद्घाटन करवाया। उनका यह अनोखा अंदाज लोगों को काफी पसंद आया। इस पुल के बनने से छावनी के लोगों को भीषण जाम से राहत मिलेगी, साथ ही शहर की रफ्तार तेज होगी।

ओवरब्रिज के उद्घाटन से जिले की करीब 45 लाख की आबादी को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही नेपाल से जिला मुख्यालय तक डायरेक्ट कनेक्टिविटी भी संभव हो सकेगी। इस ओवरब्रिज को 103 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है। इसके अलावा केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने और भी कई घोषणाएं कीं। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने देशभर में 450 नई ट्रेनों के संचालन की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि रेलवे देश के कोने-कोने में विभिन्न प्रकार की ट्रेनों को चलाने की पूरी तैयारी कर चुका है। उनकी इस घोषणा से यात्रियों को अधिक सुविधाएं मिलने की उम्मीद है।

वंदे भारत ट्रेन की सौगात: रेल मंत्री ने बताया कि अगले 3 से 4 महीनों में गोरखपुर से बेतिया होते हुए पटना तक वंदे भारत ट्रेन चलाई जाएगी। इस नई ट्रेन से यात्रियों को तेज और आरामदायक यात्रा का लाभ मिलेगा। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार ने चंपारण को 4,553 करोड़ की सौगात दी है। इसके तहत नरकटियागंज-रक्सौल-सीतामढ़ी-मुजफ्फरपुर रेल ट्रैक को डबल लाइन में बदला जाएगा, जिससे यातायात सुगम होगा। पिछले दस वर्षों में बिहार में 1,832 किलोमीटर नया रेलवे ट्रैक बिछाया गया है और रेलवे का विद्युतीकरण तेजी से किया जा रहा है। इससे राज्य में रेलवे के बुनियादी ढांचे को और मजबूती मिलेगी।

95 हजार नई नौकरियों की घोषणा: रेल मंत्री ने रेलवे में 95 हजार नई नौकरियों की घोषणा भी की। इससे पहले भी रेलवे 1.5 लाख नौकरियां दे चुकी है। यह घोषणा युवाओं के लिए एक बड़ा अवसर साबित होगी।

अतिक्रमण हटाने गई पुलिस टीम पर ग्रामीणों का हमला, सीओ की गाड़ी क्षतिग्रस्त

- सिंघिया थाना क्षेत्र के नीरपुर भररिया गांव में हुई घटना
- जेसीबी चालक और एक अंचल कर्मी को आई चोट

केटी न्यूज/समस्तीपुर

समस्तीपुर जिले के सिंघिया थाना क्षेत्र के नीरपुर भररिया गांव में रविवार को अतिक्रमण हटाने पहुंची पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम पर ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इस दौरान सीओ सरिता कुमारी के वाहन को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। हालांकि इस घटना में सीओ चोटिल नहीं हुई। वह बाल-बाल बच गई। जबकि जेसीबी चालक और एक अंचल कर्मी को चोटें आईं। उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। स्थिति बेकाबू होती देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा, जिसके बाद ग्रामीण पीछे हटे और प्रशासन अतिक्रमण हटाने में सफल रहा।

पंचायत भवन की जमीन पर था अतिक्रमणः घटना के संबंध में बताया गया कि महादलित समुदाय के कुछ लोगों ने पंचायत सरकार भवन की जमीन पर लंबे समय से कब्जा जमा रखा था। इसे खाली कराने के लिए सीओ सरिता कुमारी, बीडीओ विवेक रंजन और पुलिस बल की टीम जेसीबी मशीन लेकर गांव पहुंची। जैसे ही अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की गई, ग्रामीणों ने विरोध करना शुरू कर दिया और देखते ही देखते भीड़ उग्र हो गई। इसके बाद हमला शुरू कर दिया।

सीओ की गाड़ी पर हमला, कर्मियों को आई चोटें : आक्रोशित ग्रामीणों ने सीओ सरिता कुमारी की गाड़ी पर हमला कर उसे क्षतिग्रस्त कर दिया। साथ ही जेसीबी चालक प्रिंस कुमार और एक अंचल कर्मी को चोटें आईं। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर भीड़ को तितर-बितर किया। इसके बाद ही प्रशासन अतिक्रमण खाली कराने में सफल हो सका। उपद्रवीं ग्रामीणों का आरोप था कि जानबुझकर सरकारी अधिकारी उन्हें परेशान कर रहे है।

गांव में बढ़ाई गई पुलिस की तैनाती : घटना के बाद गांव में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है। किसी भी संभावित उपद्रव को रोकने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। रोसड़ा मुख्यालय से भी अतिरिक्त पुलिस बल को सिंघिया भेजा गया, ताकि किसी भी तरह की अप्रिय घटना को रोका जा सके। इस घटना को लेकर रोसड़ा डीएसपी सोनल कुमारी ने बताया कि पुलिस और प्रशासनिक टीम पर हमले की सूचना मिलने के बाद अतिरिक्त फोर्स को मौके पर भेजा गया है।

दारोगा की कार से मासूम बच्चे की मौत, ग्रामीणों ने बनाया बंधक

केटी न्यूज/गोपालगंज

गोपालगंज में पुलिस की कार की चपेट में आने से छह वर्षीय बच्चे की दर्दनाक मौत हो गई। इस घटना में एक बाइक सवार भी घायल हो गया। घटना के बाद उग्र लोगों ने कार सवार दो सब इंस्पेक्टर को बंधक बना लिया। मौके पर पहुंचे हथुआ एसडीओ, एसडीपीओ और कई थाना की पुलिस ने उग्र लोगों को समझा-बुझाकर शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज भेज दिया। घटना कटेया थाना क्षेत्र के गहनी चकियां गांव की है। मृतक बच्चे की पहचान गहनी चकिया गांव निवासी मंटू गुप्ता के पुत्र दीपक कुमार (6) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में लोगों ने बताया कि भोरे थाना के अपर थानाध्यक्ष मनीष कुमार का तबादला कुचायकोट थाना में हो गया था। तबादले के बाद वह अपनी कार में सवार होकर जगतौली ओपी प्रभारी नवीन कुमार के साथ कुचायकोट थाना में योगदान करने जा रहे थे।

बोले... मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के अफसरशाही से तंग आ चुकी है जनता

भाजपा दिल्ली में जीती पर नहीं पड़ेगा बिहार पर असर : तेजस्वी

- बिहार में पिछले दो विधानसभा चुनावों में सबसे अधिक सीटें राष्ट्रीय जनता दल ने जीती है
- दिल्ली में भाजपा को अपना किया हुआ वादा पूरा करना होगा, जुमलेबाजी नहीं चलेगी

केटी न्यूज/पटना

नेता तेजस्वी यादव ने रविवार को उन सुझावों को खारिज कर दिया कि दिल्ली विधानसभा चुनावों में बीजेपी की शानदार जीत का असर बिहार में दिखेगा। राज्य में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं। बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि लगभग 26 वर्षों के बाद सत्ता में वापसी ने बीजेपी के लिए दिल्ली के लोगों से किए गए वादों को पूरा करना अनिवार्य बना दिया है। तेजस्वी यादव, जो अब राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता हैं, ने दिल्ली के फैसले के बारे में पत्रकारों के सवालों का संक्षेप में जवाब दिया जहां इंडिया ब्लॉक पार्टनर आप को सत्ता से बाहर कर दिया गया था। तेजस्वी यादव ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सर्वोच्च है। उम्मीद है कि लोगों से किए गए वादे पूरे होंगे और खोखली बयानबाजी (जुमलेबाजी) नहीं होगी।

बिहार को समझने की जरूरत : राजद नेता ने कहा कि जिनकी पार्टी ने बिहार में पिछले दो विधानसभा चुनावों में सबसे अधिक सीटें जीती हैं, से बीजेपी और उसके सहयोगियों के दावे के बारे में भी पूछा गया था कि राज्य में आगामी चुनावों से एनडीए को फायदा होगा क्योंकि सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में माहौल था। युवा नेता ने उपेक्षापूर्ण टिप्पणी कर कहा कि बिहार तो बिहार है। बिहार में एनडीए का नेतृत्व जदयू सुप्रीमो नीतीश कुमार कर रहे हैं, जो 2005 से मुख्यमंत्री हैं, एक संक्षिप्त अवधि को छोड़कर जब बागडोर जीतन राम मांझी को सौंपी गई थी। कुमार का कार्यकाल, जो इस वर्ष लगातार पांचवीं बार पद पर रहेंगे, राजद के साथ दो अल्पकालिक गठबंधनों द्वारा भी चिह्नित किया गया है। जहां इस साल के अंत में विधानसभा के चुनाव होने हैं। राजद नेता से जब यह पूछा गया कि भाजपा और उसके सहयोगी यह दावा कर रहे हैं कि दिल्ली में मिली जीत का फायदा बिहार विधानसभा चुनाव में मिलेगा। बिहार में पिछले दो विधानसभा चुनावों में राष्ट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है। बिहार में राजग का नेतृत्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कर रहे हैं। नीतीश कुमार ने इस अवधि में राजद के साथ भी दो बार अल्पकालिक गठबंधन किया था। उन्होंने साफ शब्दों में ये कह दिया है कि बिहार विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी को यदि सम्मानजनक स्थान नहीं दिया गया और उम्मीद से कम सीटें दी गईं।

हर राज्य में बदल जाता है जनादेश : मनोज झा

सांसद मनोज झा ने कहा कि पीएम मोदी पर निशाना साधते हुए कहा कि आपको जनादेश मिला है कल को जनादेश नहीं मिलेगा, इसे आखिरी चुनाव मान लेना सही नहीं। दिल्ली में बीजेपी की जीत पर प्रतिक्रिया का दौर जारी है। इसी कड़ी में राष्ट्रीय जनता दल सांसद मनोज झा की भी प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कहा कि 27 साल बहुत लंबा समय होता है। 27 साल बाद बीजेपी दिल्ली की सत्ता में लौटी है, मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं। अब उनके पास वह बहाना भी नहीं रहेगा कि डबल इंजन सरकार नहीं है। इंडिया गठबंधन के फ्यूचर के सवाल पर नेता मनोज झा ने कहा कि इंडिया गठबंधन एक केंद्रीय विचार था, हमने इसे केंद्र में वैकल्पिक सरकार की संभावनाओं के लिए बनाया था। तब भी सभी दलों को पता था कि राज्यों में हम एक-दूसरे के सामने होंगे। ऐसी विसंगतियां होती हैं। मुझे लगता है कि अगर पार्टियों को लगता है कि वे बेहतर प्रदर्शन के लिए समन्वय कर सकते हैं, तो यह पहले से करना होगा न कि चुनाव को देखकर। वहीं मनोज झा ने कहा कि यमुना और गंगा के नाम पर इस देश में राजनीति बहुत हो गई। प्रधानमंत्री ने गंगा को लेकर कई बातें बोली। पीएम की राजनीति में भी शॉर्टकट के कई पहलू हैं। आपको जनादेश मिला है, कल को कहीं जनादेश नहीं मिलेगा, इसको आखिरी चुनाव मान लेना सही नहीं है। उन्होंने कहा कि इस देश में इंदिरा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी भी चुनाव हार गए थे, इसलिए ये जनतंत्र है। अगर आप जनता का काम नहीं करते हैं तो अर्श से फर्श की यात्रा के लिए तैयार रहना होगा।

बीच सड़क पर सरकारी अनाज की कालाबाजारी

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर जिले में सरकारी अनाज की कालाबाजारी का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में एक सरकारी वाहन से बीच सड़क पर अनाज उतारकर बेचा जा रहा है। जब एक ग्रामीण ने इस पर आपत्ति जताई, तो चालक और उसके साथी ने अनाज की बोरियां वापस लोड कीं और मौके से फरार हो गए। इस घटना के सामने आने के बाद प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। अब संबंधित विभाग इसकी जांच में जुट गया है। घटना कटरा प्रखंड क्षेत्र के खंगुरा डीह पंचायत के पास की बताई जा रही है। पीडीएस विक्रेता की दुकान तक पहुंचाने वाली डोर-स्टेप डिलीवरी की गाड़ी बीच रास्ते में अनाज उतार रही थी।

महाकुंभ स्नान कर पश्चिम बंगाल लौट रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने मारी टक्कर, नौ घायल

केटी न्यूज/गोपालगंज

जिले के सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहिमा एनएच 27 पर एक अनियंत्रित पिकअप ने एक ट्रक में टक्कर मार दी। इस हादसे में पिकअप में सवार करीब नौ लोग बुरी तरह जख्मी हो गए। जिन्हें तत्काल इलाज के लिए सदर अस्पताल गोपालगंज में भर्ती कराया गया। जहां सभी का इलाज चल रहा है। सभी घायल बंगाल के रहने वाले है और महाकुंभ में स्नान कर लौट रहे थे।बताया जाता है कि जख्मी लोगों की पहचान बंगाल निवासी बंगाल के उत्तर दिनेशपुर जिला के दिघी थाना क्षेत्र के खेत्रा बाड़ी गांव निवासी अन्नत राय के पुत्र सुबास राय, कमल ढाली की पत्नी बेला ढाली, सुभाष राय की पत्नी मति राय और बेटा श्यामल राय, सुमंतो विश्वास की पत्नी अश्विनी विश्वास, अनन्त मोनरोल की पत्नी शांति देवी, शंकर राय के बेटा अर्पित राय, रतन ढाली की पत्नी सीमा ढाली और जुरु हलधर की पत्नी अनिता हलधर के रूप में हुई है।

महाकुंभ स्नान के बाद वापस लौट रहे थेः बताया जा रहा है कि पिकअप पर सवार करीब 24 लोग बंगाल के उत्तर दिनेशपुर जिला के दिघी थाना क्षेत्र के खेत्रा बाड़ी गांव से महाकुंभ प्रयागराज गए थे। महाकुंभ का स्नान करने के बाद सभी लोग वापस पिकअप पर सवार होकर वापस अपने घर लौट रहे थे। इसी बीच जैसे ही उसके गाड़ी सिधवलिया थाना क्षेत्र के बरहीमा गांव के पास पहुंची ही थी कि तभी पिकअप चालक को झपकी आने लगी।आंख झपकते ही वह एक ट्रक से टकरा गई जिससे भीषण हादसे हो गया। इस हादसे में पिकअप सवार सभी लोगों घायल हो गए।

भूमि विवाद में दबंगों ने दंपति को पेड़ से बांधकर पीटा

जमुई। जमुई जिले में दबंगों की दबंगई का एक खौफनाक मामला सामने आया है। झाझा थाना क्षेत्र के परासी गांव में एक दंपति को पेड़ से बांधकर बेरहमी से पीटने का आरोप लगा है। इस घटना के पीछे जमीन विवाद को कारण बताया जा रहा है। पीड़ित दंपति ने थाने में शिकायत दर्ज कर न्याय की गुहार लगाई है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है। पीड़िता रंभा कुमारी ने गांव के ही लोग जबरदस्ती उनके घर में घुस आए। आरोपियों ने गाली-गलौज शुरू कर दी और फिर पीड़ित दंपति को रस्सी से बांधकर घसीटते हुए घर से बाहर ले आए। इसके बाद दोनों को एक पेड़ से बांधकर लाठी-डंडों से बेरहमी से पीटा।

पटना में कांग्रेसियों का प्रदर्शन, जंजीरें पहन की नारेबाजी

केटी न्यूज/पटना

अमेरिका से भारतीय को वापस भेजने और उनके कथित अपमान के मुद्दे को लेकर बिहार प्रदेश कांग्रेस के कार्यकताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कांग्रेसियों ने जंजीरे पहनकर मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने पीएम मोदी से उनका इस्तीफा मांग लिया। उन्होंने कहा कि यह तानाशाही सरकार भारतीयों की इज्जत नहीं कर रही है। प्रदर्शन करने वालों ने कहा कि भारतीयों का अपमान अब हिन्दुस्तान नहीं सहेगा। कांग्रेसियों ने तानाशाही सरकार के खिलाफ मुर्दाबाद के नारे लगाए। इस दौरान कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने कहा कि मोदी सरकार देश हित में कार्य नहीं करती है बल्कि सत्ता में बनी रहना चाहिए। जनता का हित नहीं चाहते है।

भारतीयों के साथ किया गया गलत व्यवहार

इनकम टैक्स चौराहा पर रविवार दोपहर कांग्रेस के प्रदर्शन के कारण कुछ देर तक जाम की स्थिति उत्पन्न हो गई। प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि केंद्र सरकार ने भारतीयों का अपमान किया है। जिस तरह से अमेरिका से भारतीय को भारत वापस भेजा गया वह गलत था। उन्हें उसी तरीके से फ्लाइट से वापस लाया जाना चाहिए था, जैसे हम लोग यात्रा करते हैं। लेकिन, सरकार ने उन्हें हाथों में जंजीर और पैरों में बेड़ियां डालकर भेजा, जो पूरी तरह अपमानजनक है। केंद्र सरकार ने विरोध करने बजाय इस मामले पर चुप्पी साध ली। वहीं दिल्ली विधानसभा चुनाव के बारे में प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दिल्ली की जनता के आदेश का हमलोग सम्मान करते हैं। हमारी पार्टी चुनाव परिणाम का स्वागत करती है। पार्टी आगे की रणनीति पर विचार कर रही है।

एक ही टीईटी प्रमाण पर कई शिक्षक कर रहे है एक साथ नौकरी

बिहार में 31 शिक्षकों पर गिरी गाज, जल्द खत्म होगी सेवा

- शिक्षकों की इस सूची में कई फर्जी शिक्षक भी शामिल
- फरार शिक्षकों का विभाग ने वेतन पहले ही रोक दिया है

केटी न्यूज/बांका

बांका जिला में लगातार गायब रहने वाले शिक्षकों की सूची तैयार की गई है। इसके तहत बिना सूचना के गायब 31 शिक्षकों की पहचान की गई है। इनमें से कुछ के नाम फर्जी पाए गए हैं। कुछ के खिलाफ थाने में केस दर्ज है। वेतन पहले ही बंद किया जा चुका है। ई-कोष से भी नाम हटाया जा रहा है। बिहार में बिना सूचना के गायब रहने वाले 31 शिक्षकों के खिलाफ शिक्षा विभाग ने बड़ी कार्रवाई की तैयारी की है। इन शिक्षकों की सेवा समाप्ति की जा सकती है। शिक्षा विभाग ने बिना सूचना के लंबे समय से गायब 31 शिक्षकों की सूची जारी की है। संबंधित विद्यालयों के हेडमास्टरों को भी सख्त चेतावनी दी गई है। बीईओ को निर्देश दिया गया है कि इन शिक्षकों के योगदान पर रोक लगाई जाए। बिना विभागीय अनुमति के इन्हें विद्यालय में शामिल नहीं किया जाएगा। शिक्षकों की इस सूची में कई फर्जी शिक्षक भी शामिल हैं। फर्जीवाड़ा उजागर होने के बाद ये शिक्षक फरार हो गए थे। करीब दर्जनभर शिक्षक ऐसे हैं, जिन्होंने पिछले साल सक्षमता परीक्षा के लिए एक ही टीईटी प्रमाण पत्र का इस्तेमाल कर नौकरी हासिल की थी। सबसे ज्यादा फर्जी शिक्षकों की संख्या बांका प्रखंड में है। जिला कार्यक्रम पदाधिकारी ने बताया कि इन शिक्षकों की सेवा समाप्ति की प्रक्रिया जारी है। ई-शिक्षा कोष से इनके नाम हटाए जा रहे हैं। इन शिक्षकों का वेतन पहले ही रोक दिया गया है। कुछ शिक्षकों के खिलाफ पुलिस में केस भी दर्ज है। ई-शिक्षा कोष से इन शिक्षकों के नाम हटाए जा रहे हैं, ताकि भविष्य में ये किसी भी तरह का फर्जीवाड़ा कर दोबारा विद्यालय में योगदान न कर सकें। यदि कोई बीईओ इन शिक्षकों को विद्यालय में योगदान कराता है, तो वह सीधे जिम्मेदार माना जाएगा। बांका में 31 शिक्षकों की पहचान की गई है, जो बिना सूचना के लगातार अनुपस्थित हैं। इनमें से कुछ के नाम निगरानी जांच में फर्जी पाए गए हैं। शिक्षा विभाग ने बिना सूचना के गायब रहने वाले शिक्षकों के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है। उनकी सेवा समाप्ति की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही फर्जी शिक्षकों के खिलाफ भी कार्रवाई की जा रही है।

रात दो बजे छठिया पोखरा में कूदा युवक, एसडीआरएफ ने जाल की मदद से 11 घंटे बाद निकाला शव

- मानसिक रूप से विक्षिप्त था युवक, रात दो बजे तालाब में कूदा
- छलांग लगाते देख डीजे वाहन के चालक ने स्वजनों को दी सूचना

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव के ऐतिहासिक छठिया पोखरा में एक युवक डूब गया। घटना शनिवार की रात दो बजे की है। जानकारी मिलते ही स्वजन रात से ही शव को तालाब से बाहर निकालने के लिए लोगों से गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने रात के अंधेरे में छठिया पोखरा जैसे विशाल तालाब में उतरने की हिम्मत नहीं दिखाई। सुबह में स्थानीय गोताखोरों द्वारा शव की तलाश शुरू की गई, लेकिन जब दस बजे तक सफलता नहीं मिली तो डुमरांव सीओ शमन प्रकाश ने इसकी सूचना एसडीआरएफ टीम को दी।

दोपहर करीब पौने एक बजे आरा से पहुंची एसडीआरएफ की टीम अपने स्पेशल बोट से शव की तलाश शुरू ही किए थे कि करीब सवा एक बजे स्थानीय गोताखोरों के जाल में शव फंस गया, जिसके बाद एसडीआरएफ की टीम वापस लौट गई। जबकि पुलिस शव को कब्जे में ले पंचनामा तैयार करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल बक्सर भेज दिया।

मृतक की पहचान छठिया पोखरा के पास स्थित मठिया मोहल्ले के बुधु प्रसाद के 44 वर्षीय पुत्र मनोज कुमार के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने बताया कि वह मानसिक रूप से विक्षिप्त था। संभवतः मानसिक संतुलन बिगड़ने से ही उसने ऐसा कदम उठाया।

मां और भाभी का रो-रोकर था बुरा हाल : उसे डूबता देख भाभी ने रात में ही शोर मचा आस पास के लोगों को इसकी जानकारी दी, लेकिन रात में किसी ने तालाब में उतर उसे बचाने का प्रयास नहीं किया। अपने जवान बेटे के तालाब में डूबने की जानकारी के बाद से ही उसकी मां कस्तुरी देवी का रो-रोकर बुरा हाल था। दोपहर के पहले तक उसका शव नहीं मिलने से आस पास के लोग यह कहकर ढांढस बंधा रहे थे कि शायद व तैरकर निकल गया होगा तथा कही चला गया होगा, लेकिन जैसे ही शव बरामद हुआ मां चित्कार कर उठी। यही हाल उसके पिता बुधु, बड़े भाई मुन्ना व छोटे भाई मोदी प्रसाद का था। घटना के बाद से परिजन बेसुध हो गए थे।

तालाब में डूबते देख भाभी ने मचाई थी शोर

घटना के संबंध में बताया जाता है कि वह रात दो बजे घर से बाहर निकला तथा छठिया पोखरा के सीढ़ी पर चप्पल उतार अचानक तालाब में छलांग लगा लिया। इस दौरान स्थानीय निवासी व पेशे से डीजे वाहन चालक नागा नाम के युवक ने उसे तालाब में छलांग लगाते देखा तथा उसे रोकने का प्रयास किया, लेकिन वह उसकी बात को अनसुना कर दिया। इसके बाद नागा दौड़ते हुए उसके घर गया तथा उसके घरवालों को इस घटना की जानकारी दी। जानकारी होते ही उसके बड़े भाई मुन्ना प्रसाद की पत्नी चंद्रावती देवी दौड़े भागे छठिया पोखरा पर पहुंची, इस दौरान वह बीच तालाब में पहुंच गया था तथा उसके सामने ही गहरे पानी में डूब गया।

"छठिया पोखरा में डूब एक युवक की मौत हो गई है। जानकारी मिलते ही स्थानीय गोताखोरों के माध्यम से शव की तलाश करवाई गई। शव मिलने में विलंब होने पर एसडीआरएफ टीम की मदद भी ली गई। दोपहर में शव बरामद हो गया। युवक मानसिक रूप से विक्षिप्त था। शव को कब्जे में ले पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

- संजीत कुमार शर्मा, प्रभारी थानाध्यक्ष डुमरांव

"डुमरांव के छठिया पोखरा में एक युवक के डूबने की सूचना मिली। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंच स्थिति का अवलोकन किया गया। शव की तलाश के लिए तुरंत एसडीआरएफ टीम को सूचना दिया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मृतक के स्वजनों को आपदा राहत के तहत मुआवजा देने के लिए वरीय अधिकारियों को प्रतिवेदन दिया जाएगा।

- शमन प्रकाश, सीओ, डुमरांव

एनएच 120 पर डुमरांव से टेढकी पुल तक लगी रही ट्रकों की लंबी कतार, पूरे शहर की गलियों में रेंगते रहे वाहन

उत्तर प्रदेश में बालू लदे ट्रकों के प्रवेश पर रोक के कारण बक्सर से ब्रह्मपुर तक लगा महाजाम

- महाजाम से पूरे दिन जूझते रहे आम से खास
- पैदल चलना भी हो रहा था मुश्किल, प्रशासन बेफिक्र

केटी न्यूज/बक्सर

रविवार को जिले में महाजाम लग गया था। आलम यह था कि एनएच 922 पर बक्सर से ब्रह्मपुर तक तथा एनएच 120 पर डुमरांव से नावानगर तक सड़क के एक साइड में ट्रकें खड़ी रही, जिस कारण पूरे दिन परिचालन बाधित था। इस दौरान प्रशासन बेफिक्र बना रहा।

जाम का अंदाजा से इसी से लगाया जा सकता है कि एनएच 922 के दक्षिणी लेन में बक्सर से ब्रह्मपुर तक कई जगहों पर दो से तीन लाइन तक ट्रक खड़ी थी। जिस कारण एक लेन पूरी तरह से बंद हो गया था। जबकि दोनों तरफ के वाहन चालक सिर्फ एक ही लेन से परिचालन कर रहे थे। जिस कारण पूरे दिन जाम लगा रहा। मिली जानकारी के अनुसार यूपी प्रशासन द्वारा बक्सर के वीर कुंवर सिंह सेतु के रास्ते यूपी में प्रवेश करने वाले ट्रकों के परिचालन पर रोक लगा दी हैं। जबकि, हर दिन इस पथ से होकर बालू लदे हजारों ट्रक यूपी में प्रवेश करते है। यूपी में ट्रकों की नो एंट्री से बिहार की सीमा में सैकड़ो ट्रकें फंसी रही। जिसका खामियाजा पूरे जिले में भुगतना पड़ा। इस दौरान एनएच 922 व 120 के अलावे कई अन्य मार्गों पर भी जाम लगा रहा। जबकि स्थानीय प्रशासन इस जाम हो हटावने में उदासीन बना रहा। जिस कारण आम से लेकर खास हर तबके के लोगों को परेशान होना पड़ा।

डुमरांव स्टेशन रोड में पैदल चलना भी हो रहा था मुश्किल : बता दें कि डुमरांव में पश्चिमी रेलवे क्रासिंग से नावानगर तकसड़क के एक साइड में ट्रक खड़ी थी। जबकि दूसरे साइड से दोनों तरफ के वाहन आ जा रहे थे। इस कारण पूरे दिन इस पथ पर जाम लगते रहा। सबसे खराब स्थिति विष्णुमंदिर त्रिमुहानी मोड़ से लंगटू महादेव मंदिर तक का था। इस दायरे में पैदल चलना भी मुश्किल साबित हो रहा था। जिस कारण लोग काफी परेशान दिखे तथा व्यवस्था को कोसते नजर आ रहे थे। वहीं, शहरी इलाका भी इस जाम से अछूता नहीं था। गनीमत रही कि क्षेत्र में किसी तरह की अप्रिय स्थित नहीं आई, अन्यथा पुलिस या अन्य क्वीक रिस्पांस टीम को वहां पहुंचने में भारी कठिनाई का सामना करना पड़ता।

किरकिरा हुआ इतवार की छुट्टी का मजाः लोगों का कहना है कि देर रात से ही ट्रकों की लंबी लाईन लग गई थी। वहीं, रविवार की छुट्टी को देखते हुए लोग सैर सपाटे की योजना बना रखे थे, लेकिन दोनों एनएच पर महाजाम से उनके इतवार के छुट्टी का मजा किरकिरा हो गया। लोगों का कहना था कि सप्ताह में सिर्फ एक दिन छुट्टी का होता है। एनएच 922 व 120 पर पूरे दिन ट्रक खड़ा रहने से लोग अपने बच्चों को भी घर से बाहर नहीं घुमा सकें। जिस कारण लोगों में व्यवस्था के प्रति आक्रोश गहराने लगा है।

शाम चार बजे के बाद मिली जाम से मुक्ति : जानकारी के अनुसार शाम चार बजे के बाद जाम से मुक्ति मिल पाई। बताया जाता है कि तीन बजे के बाद से यूपी में ट्रको का परिचालन शुरू हुआ। इसके बाद ही लोगों को जाम से मुक्ति मिल सकी। जाम हटने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि, डुमरांव के बाजार से बाहर खड़े ट्रक चालकों को इसके बाद भी राहत नहीं मिल पाई थी। जाम टूटने के बाद उन्हें नो एंट्री की अवधि समाप्त होने तक इंतजार करना पड़ा। इसके बाद ही वे अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए।

यूपी प्रशासन के अड़ियल रवैये से अक्सर लग रहा जाम

बक्सर में आए दिन जाम लग रहा है। खासकर एनएच 922 पर जिला की सीमा में एक लेन में ट्रकों के खड़ा रहने से न सिर्फ टैजफिक व्यवस्था ध्वस्त हो रही है बल्कि दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। शुक्रवार को इसी जाम के कारण महाराजा कोठी के पास सड़क दुर्घटना में पुराना भोजपुर का अखबार विक्रेता राजू प्रसाद गोंड गंभीर रूप से जख्मी हो गया। वही, जानकारों का कहना है कि यूपी प्रशासन के अड़ियल रवैये से आए दिन जिला की सीमा में जाम लग रहा है। स्थानीय प्रशासन ने कई बार यूपी प्रशासन से संपर्क कर जाम हटाने के लिए रास्ता निकालने की बात कह चुका है। बावजूद यूपी प्रशासन इस दिशा में उदासीन बना हुआ है। जिस कारण हर दिन यह समस्या गंभीर होते जा रही है।

थाने में चौकीदार परेड आयोजित

केटी न्यूज/सिमरी

रविवार को डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी की मौजूदगी में सिमरी थाने में चौकीदार परेड कराया गया। इस दौरान थाना क्षेत्र के सभी चौकीदार इस परेड में शामिल हुए।

चौकीदार परेड के दौरान एसडीएम व डीएसपी ने चौकीदारों से कहा कि आप ग्रामीण क्षेत्र की पुलिस की जिम्मेवारी संभालते है। अपराध नियंत्रण के लिए आपका शत प्रतिशत सहयोग जरूरी है। इस दौरान चौकीदारों को हर समय चौकन्ना रहने तथा किसी भी घटना की तत्काल सूचना थाना को देने का निर्देश एसडीएम व डीएसपी ने दिया। वहीं, दोनों अधिकारियों ने उन्हें मुख्यमंत्री के यात्रा के मद्देनजर विशेष चौकसी बरतने को कहा। चौकीदार परेड के दौरान सिमरी थानाध्यक्ष कमल नयन पांडेय समेत कई अन्य पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

शांति व्यवस्था को ले राजपुर थाने में आयोजित की गई गुंडा परेड

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी दिनों आने वाले पर्व शब ए बरात, शिवरात्रि, रविदास पूजा को लेकर पुलिस कप्तान के निर्देश पर थाने में पुलिस निरीक्षक इंद्रजीत सिंह की मौजूदगी में रविवार को राजपुर थाना परिसर में पहले से चिन्हित किए गए गुंडों की परेड कराई गयी। जिसमें मौजूद लोगों की शारीरिक स्थिति को देखते हुए उनसे बांड पत्र पर हस्ताक्षर करा कर वापस भेज दिया गया।

राजपुर थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि पहले से गुंडा एक्ट में शामिल लोगों को नोटिस के बाद उसे थाना पर बुलाकर उसकी शारीरिक स्थिति की जांच की जा रही है। इसके लिए गुंडो की 15 श्रेणी में विभक्त किया गया हैं। जिसमें शराबी, जुआरी, भूमि विवाद करने वाले लोगों को चिन्हित कर जिला में भेजा गया, इसके बाद इन सभी को बुलाकर परेड कराया गया है। जो व्यक्ति बिल्कुल सक्षम नहीं है और जिनकी उम्र अधिक हो गई है ऐसे लोगों को पुलिस कप्तान के निर्देश पर इस एक्ट से नाम हटाया जाएगा। नए लोगों की भी सूची बनाकर उसे जिला में भेज दिया गया है। सूची आते ही उन सभी का भी परेड कराया जायेगा। शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए 250 लोगों पर 107 के तहत कार्रवाई भी की गई है। इस मौके पर एसआई अनिशा भारती, वशिष्ठ नारायण यादव, एएसआई पंकज पंडित, अनिल कुमार, सुनील कुमार साह आदि मौजूद रहे।

टाउन थाना के समीप मोबाइल दुकान से नगद समेत लाखों के मोबाइल की चोरी

केटी न्यूज/बक्सर

नगर थाना से महज कुछ दूरी पर स्थित एक मोबाइल दुकान की छत काटकर अज्ञात चोरों ने नगद समेत लाखों रुपये के मोबाइल उड़ा लिए। जानकारी मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है। घटना से व्यापारियों में दहशत का माहौल है।

जानकारी के अनुसार पुराने बस स्टैंड के अंदर एक मोबाइल दुकान में विगत शनिवार की रात्रि तीन शेड की छत काटकर अंदर घुसे व रातों-रात मोबाइल दुकान को खाली कर दिए। इस घटना में एक लाख नगद व लगभग चार लाख के मोबाइल सेट की चोरी हुई है। इस घटना की जानकारी तब हुई जब सुबह में दुकानदार राजकुमार दुकान खोलने पहुंचे, दुकान खुलते ही बिखरे सामानों को देख भौच्चक रह गया। उन्होंने बताया कि वह प्रतिदिन की तरह शनिवार की रात 10 बजे दुकान बंद कर घर चले गए थे। रविवार सुबह जब वह दुकान खोलने पहुंचे तो अंदर का नजारा देख दंग रह गए। सारा सामान बिखरा पड़ा था और दराज में रखे नगदी व कीमती मोबाइल फोन गायब थे। ऊपर देखने पर पता चला कि दुकान के छत में लगे टीन शेड काटकर चोरों ने भीतर प्रवेश किया था। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। पुलिस पहुंच मामले की जांच में जुट गई। जहा सीसीटीवी खंगाले जा रहे है। इस घटना से आसपास के दुकानदारों में दहशत का माहौल बना हुआ है दुकानदारों का कहना है। पुलिस गश्ती के नाम पर केवल औपचारिकता निभा रही है, जिससे अपराधियों में कोई खौफ नहीं है।

नगर थानाध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि पीड़ित दुकानदार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई। पुलिस जल्द ही चोरों तक पहुंचने का प्रयास करेगी। आसपास के इलाकों में लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

सीएम के आगमन की तैयारी तेज, एसडीएम व डीएसपी ने लिया हेलीपैड का जायजा

केशोपुर में ही उतरेगा सीएम का हेलीकॉप्टर

- सुरक्षा के लिहाज से कोईलवर तटबंध का भी किया गया निरीक्षण

केटी न्यूज/सिमरी

प्रगति यात्रा के तहत 15 फरवरी को सिमरी के केशोपुर पहुंच रहे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के आगमन की तैयारी तेज हो गई है। जिला प्रशासन अनुमंडल प्रशासन द्वारा उनके यात्रा को सफल बनाने के लिए युद्ध स्तर पर तैयारियां की जा रही है। केशोपुर में ही मुख्यमंत्री हेलीकाप्टर से लैंड करेंगे। रविवार को डुमरांव एसडीएम राकेश कुमार व डीएसपी अफाक अख्तर अंसारी केशोपुर पहुंच निमार्णाधीन हेलीपैड के अलावे जलशोध संयत्र, कोईलवर तटबंध आदि का जायजा लिए।

एसडीएम ने हेलीपैड निर्माण में लगे मजदूरों तथा मातहतों को कई आवश्यक निर्देश भी दिए। उन्होंने हेलीपैड के आस पास बैरेकेडिंग करने, पब्लिक को हेलीपैड के नजदीक नहीं आने देने तथा हेलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक तथा वहां से परसनपाह पंचायत सरकार भवन तक के रूट चार्ट का जायजा लिया।

एसडीएम ने कहा कि मुख्यमंत्री के आगम की तैयारी अंतिम चरण में पहुंच गई है। तैयारियों को बारीकि से परखा जा रहा है। एसडीएम ने कहा कि हेलीपैड के अलावे रूट चार्ट की सुरक्षा व्यवस्था को भी परखा गया। इसके अलावे कोईलवर तटबंध का मुआयना किया गया। एसडीएम ने अबतक की तैयारियों पर संतोष जताया। कहा कि मुख्यमंत्री का कार्यक्रम निर्धारित समय के अनुसार संपन्न होगा।

जबकि डीएसपी अफाक ने कहा कि सुरक्षा व्यवस्था का गहनता से जायजा लिया गया। स्थानीय पुलिस को कई बिंदुओं पर ध्यान आकृष्ट कराया गया है। डीएसपी ने कहा कि मुख्यमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था चाक चौबंद होगी। उन्होंने कहा कि हेलीपैड से लेकर कार्यक्रम स्थल तक चप्पे-चप्पे पर पुलिस टीम तैनात रहेगी। डीएसपी ने कहा कि इस दौरान तटबंध पर जाकर रूट चार्ट के अलावे यूपी को जोड़ने वाले मार्गों की सुरक्षा का जायजा लिया गया। डीएसपी ने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम को ले आस पास के सभी थानों की पुलिस मुश्तैद है। इस दौरान प्रखंड स्तरीय अधिकारी, तिलक राय के हाता थानाध्यक्ष समेत पुलिस पदाधिकारी मौजूद थे।

खबरें फटाफट

विरासत पर शोध करने संग्रहालय पहुंची लंदन की डॉ. रुमा

बक्सर। सीताराम उपाध्याय संग्रहालय के अध्यक्ष डा शिव कुमार मिश्र के अनुसार ब्रिटेन की प्रसिद्ध मनोचिकित्सक डॉ. रुमा बोस संग्रहालय की पुरावशेषों के अध्ययन करने रविवार को संग्रहालय पहुंची। डॉ बोस ने सुल्तानगंज व भागलपुर से देवघर जानेवाले कांवर यात्रा पर अनुसंधान किया है। इससे संबंधित शोधग्रंथ भी प्रकाशित हो चुके हैं। बक्सर व चौसा गढ़ से प्राप्त टेराकोटा मूर्तियों को देखकर डॉ बोस अत्यंत आश्चर्यचकित हुई। डॉ बोस के अनुसार यहां की टेराकोटा मूर्तियों पर गंभीरतापूर्वक अनुसंधान होना आवश्यक है। उनके द्वारा बिहार स्थित विभिन्न देवी देवताओं की मूर्तियों पर अनुसंधान किया जा रहा है।

प्रगति यात्रा को लेकर दीवारों पर पेंटिंग शुरू

बक्सर। प्रगति यात्रा के तहत सीएम नीतीश कुमार के जिले में आगमन की तैयारी जोर शोर से की जा रही है। जिससे प्रगति यात्रा को यादगार बनाया जा सके। नगर को स्वच्छ व सुंदर बनाने के लिए आकर्षक पेंटिंग कराया जा रहा है। सर्किट हाउस के बाहर दीवार पर भागवान श्रीराम एवं रामायण से जुड़े दृश्यों पर आधारित पेंटिंग कराया जा रहा है। इसके साथ ही नगर के बाईपास रोड में सरकारी भवनों पर स्वच्छता से संबंधित पेंटिंग कराया जा रहा है। जो अलग से ही देखने में काफी आकर्षक व स्वच्छता को दर्शा रहा है। इस संबंध में एनजीओ मोनालिसा प्रशिक्षण व कला केंद्र के विनोद सिंह ने बताया कि नगर के जिला अतिथि गृह एवं नगर के बाईपास रोड स्थित सरकारी भवनों के दीवारों पर कराया जा रहा है।

सोनवर्षा के द एमिटी स्कूल के वार्षिकोत्सव में छात्रों ने खूब बिखेरा जलवा

अच्छी शिक्षा व अच्छे संस्कार ही जीवन में हमें देते हैं एक नया स्वरूप: सांसद

- कार्यक्रम में दिखी बच्चों की प्रतिभा, अभिभवकों ने जमकर उठाया लुत्फ

समाज को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए

द एमिटी स्कूल की वार्षिकोत्सव का उद्घाटन बक्सर सांसद सुधाकर सिंह, शाहाबाद दुग्ध उत्पादक सरकारी संघ लिमिटेड के एमडी धनंजय कुमार, जेएनवी कैमूर के प्राचार्य पीएस तिवारी भाजपा के जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने संयुक्त रुप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों को विद्यालय के निदेशक अमरेन्द्र राजेश के द्वारा अंग वस्त्र एवं फूल माला से सम्मानित किया गया। अपने संबोधन में उद्घाटनकर्ता ने कहा कि अच्छी शिक्षा एवं संस्कार ही जीवन को एक नया रुप देते हैं। हमें समाज को शिक्षित एवं संस्कारित बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि परिवारों के बढ़ने के साथ-साथ उनकी युवा पीढ़ी को संस्कारित एवं सकारात्मक मार्ग दर्शन की आवश्यकता है। इसी तर्ज पर सोनवर्षा के द एमिटी स्कूल ने छात्रों को निखारने का कार्य किया जा रहा है। कहा यह कहना गलत नहीं होगा कि निश्चय ही यह विद्यालय शाहाबाद का गौरव है।

केटी न्यूज/नावानगर

रविवार को द एमिटी स्कूल सोनवर्षा के 9वां वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। जिसमें विद्यालय के छात्रों ने गीत-संगीत, नृत्य तथा नाटक का मंथन कर खुब जलवा बिखेरा। रंगारंग कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती बंदना व स्वागत गीत से किया गया। इसके बाद छात्रों ने एक से बढ़कर एक कला की प्रस्तुति की। जिसमें रिर्कोडिंग गीत यह कहते हैं बाबा मेरी, बाबुल का घर छोड़ चले, तू कितनी अच्छी है ओ मां, गाड़ी वाला आया घर का कचरा निकाल, आपकी दुश्मनी कबूल मुझे, शुभ दिन आयो रे, आदमी खिलौना है, चक दे इंडिया, पंजाबी गाना ऐ भावों कैंदि, राम भक्त थे चला राम की निशानी समेत अन्य गानों पर छात्र-छात्राओं ने नृत्य प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

वहीं छात्रों ने रील वाली बहुरिया एवं श्मशान घाट नाटक का मंचन किया। इस नाटक के माध्यम से लोगों को ठग्गी से संचेत रहने की संदेश दिया। जबकि दिल्ली ऊंचा सुनती है हास्य नाटक पर उपस्थित लोग हंसते-हंसते ओतपोत हो गए थे। वही विष्णु एक्ट, काली एक्ट, दुर्गा एक्ट की प्रस्तुति कर छात्रों ने भक्ति का मार्ग दर्शन दिखाया। इस वार्षिकोत्सव पर छात्रों के रंगारंग पिटारा में रामायण, देवी गीत, भक्ति गीत समेत एक से बढ़कर एक कार्यक्रम शामिल था।

अभिभावकों व आगंतुकों से खचाखच भरा विद्यालय परिसर: द एमिटी स्कूल के 9वीं वार्षिकोत्सव पर छात्रों की कलां देखने के लिए लोगों में काफी उत्साह था। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर अभिभावकों व आगंतुकों से खचाखच भरा हुआ था। छात्रों की अदाकारी व जीवंत प्रस्तुति से पूरे दिन विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंजता रहा। सभी ने छात्रों की अदाकारी का खुब तारीफ कर रहे थे। इस मौके पर विद्यालय के सभी शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक स्टांप, शिक्षाविद तथा गणमान्य लोग

कार्यक्रम की झलकियां...

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं।

कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करती छात्राएं।

कार्यक्रम में नाटक का मंचन करते छात्र।

कार्यक्रम का लुत्फ उठाते अभिभावक व अन्य।

एक नजर

नवनिर्मित खेल स्टेडियम के दरवाजे का गेट उड़ा ले गए चोर, जांच में जुटी पुलिस

राजपुर। राजपुर थाना क्षेत्र के खीरी गांव स्थित नवनिर्मित खेल स्टेडियम के पिछले हिस्से के दरवाजे का गेट अज्ञात चोरों ने उड़ा लिया साथ ही इसके अंदर बने कमरे के कई खिड़कियों को भी तोड़कर नुकसान पहुंचा दिया है। सुबह इसकी जानकारी मिलने पर पुलिस को सूचना दी गई। जहा पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गई। मिली जानकारी के अनुसार खीरी गांव स्थित नदी किनारे खेल मैदान बना हुआ है। जिसे मिनी स्टेडियम का निर्माण कार्य चल रहा है।विगत शनिवार की रात कुछ अज्ञात चोरों द्वारा गेट का दरवाजा चोरी कर लिया गया। रविवार की सुबह जब लोग पहुंचे तो दरवाजा गायब देखे तो आपस मे चोरी की चर्चा करने लगे। इसकी खबर मुखिया तक पहुंची जहा, मुखिया प्रतिनिधि वीरेंद्र गुप्ता ने इसकी सूचना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस इस मामले की जांच में जुट गई। थाना अध्यक्ष संतोष कुमार ने बताया कि चोरी जैसी घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए पुलिस पूरी तरह से तत्पर है। इस महीने चोरी की कई बड़ी घटनाओं में पुलिस को सफलता भी हासिल हुई है। कई अन्य जगहों पर हुई चोरी के मामले में भी पुलिस जल्द ही चोरों के नजदीक पहुंचने वाली है।

दिल्ली में भाजपा की जीत पर सहयोगी पार्टी के साथ कार्यकताओं में खुशी

डुमरांव। दिल्ली में भाजपा की जीत पर कार्यकताओं से लेकर सहयोगी पार्टियों में खुशी की लहर दौड़ गई है। जिले सहित सभी 11 प्रखंडों में जीत का जुलूस निकाल खुशी जाहिर की गई। जुलूस में शामिल कार्यकर्ता नरेन्द्र मोदी और योगी जिंदाबाद का नारे लगाते हुए सड़कों पर विभिन्न सड़कों पर घुमते रहे। इतना ही इस मौके पर जमकर आतीशबाजी भी हुई। मालूम हो कि चार दशक बाद दिल्ली में भाजपा का परचम लहराया है। जुलूस जैसे-जैसे आगे बढ़ता गया, भापजा समर्थक लोग उससे जुटते चले गए।

खाद की किल्लत : प्रखंड में ब्लैक में बेची जा रही यूरिया

- 260 रुपए प्रति बोरा बिकने वाला खाद ब्लैक में 450 तक बिक रहा है

केटी न्यूज/डुमरांव

किसान गेहूं का पटवन कर दिये हैं, अब उसमें खाद डालने के लिये बाजारों की दौड़ लगाने लगे हैं। इधर बाजारों में खाद की किल्लत बताकर दुकानदार अधिक कीमत पर बेच रहे हैं। मुश्किल में पड़े किसान उंची कीमत पर खाद खरीदने पर मजबूर हैं। दुकानदारों का कहना है कि सासाराम से खाद लेकर बेचा जा रहा है, ऐसे में विक्रेताओं को अधिक खर्च पड़ जाता है। बावजूद किसानों को निराश नहीं कर उन्हें समय पर खाद उपलब्ध कराया जा रहा है। इस संबंध में जब अधिकारियों से बात की जाती है तो उनका कहना है कि जल्द ही जिले के लिये खाद एक सप्ताह के भीतर उपलब्ध हो जाएगा। खाद का रैक चल चुका है, बक्सर में पहुंचेगा।

इधर किसानों का कहना है कि अधिकारी गेहूं के फसल में कब खाद डालना जरूरी होता है, उन्हें मालूम है, फिर खाद क्यों विलंब से बक्सर में आ रहा है। अन्य जिलों में खाद समय पर किसानों का उपलब्ध करा दिया गया है। मालूम हो कि खाद की कीमत 260 रूपया है, लेकिन 450 में बेचा जा रहा है। अधिकारियों को इस पर ध्यान देना चाहिए। सबसे अधिक परेशान गरीब किसान है, जो अधिक रेट पर खाद की खरीदारी करने पर मजबूर हैं। अधिकारियों को इन सब बातों पर ध्यान देते हुए, खाद सभी को समय और उचित मूल्य पर मिल जाए ऐसी व्यवस्था करनी चाहिए। कई किसानों ने बताया की हर साल यही हाल होता है। समय पर खाद नहीं उपलब्ध होने से पैदवार में असर पड़ता है। सरकार और अधिकारियों की यह जिम्मेवारी बनती है कि रबी फसल की पैदवार अच्छी होने का इंतजार लगाए बैठे किसानों को परेशानियों से जूझना नहीं पड़े।

टीकाकरण को लेकर एएनएम कार्यकर्ताओं को मिला टास्क

डुमरांव। स्थानीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के सभागार में नियमित टीकाकरण प्रोग्राम को लेकर एएनएम कार्यकताओं की बैठक आयोजित की गयी। जिसकी अध्यक्षता चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आरबी प्रसाद ने किया। इस बैठक में नियमित टीकाकरण को सुद्दढ़ बनाने के लिए विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। इस दौरान सभी एएनएम कार्यकताओं व स्वास्थ्य कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में छूटे हुए बच्चों की सूची बनाकर संपूर्ण टीकाकरण करने का निर्देश दिया गया। चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि टीकाकरण के कामों में तेजी आयी है। क्षेत्रों में संपूर्ण टीकाकरण को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित हुई।

इस दौरान एएनएम कार्यकताओं व स्वास्थ्य कर्मियों को संपूर्ण टीकाकरण करने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने बताया कि बच्चे के रोग प्रतिरोधक तंत्र को मजबूत बनाता है और उन्हें विभिन्न जीवाणु तथा विषाणुओं से लड़ने की शक्ति प्रदान करता है। बैठक में स्वास्थ्य प्रबंधक अफरोज आलम, प्रखंड अनुश्रवण व मूल्यांकन सहायक उमेश कुमार, डब्लूएचओ अशोक कुमार सिंह सहित अन्य उपस्थित थे।

पीडीएस दुकानदारों का आंदोलन तेज आज एमओ को लौटाएंगे पॉश मशीन

केटी न्यूज/डुमरांव

पीडीएस दुकानदारों की हड़ताल जैसे-जैसे आगे बढ़ता जा रहा है, और तेज होते जा रहा है। अब उन्होंने पॉश मशीन को सरकार को लौटाने का फैसला कर लिया है। उन्होंने रविवार को बैठक कर पॉश मशीन को प्रखंड कार्यालय में जाकर पॉश मशीन एमओ को लौटाने का फैसला किया। पॉश मशीन लौटाने का फैसला राज्य की राधानी पटना में बैठे उनके नेताओं ने किया है।

बैठक में हुए फैसले को मानते हुए सभी अपना पॉशीन प्रखंड कार्यालय में ले जाकर एमओ को लौटाएंगे। इधर पीडीएस दुकानदारों की हड़ताल से गरीबी रेखा के नीचे गुजर-बसर करने वाले परिवारों के आगे संकट के बादल गहराने लगे हैं। बाजारों से ऊंची कीमत पर खाद्यान खरीदारी करने से उनकी माली हालत दिन पर दिन खराब होती जा रही है। इधर अपनी मांगों को माने बगैर पीडीएस दुकानदारों ने हड़ताल को नहीं तोड़ने का फैसला कर लिया है।

विदित हो की डुमरांव प्रखंड में कुल पीडीएस दुकानदारों की संख्या 140 है वहीं पूरे अनुमंडल में इनकी संख्या 495 है। एक पीडीएस दुकान से लगभग तीन से चार सौ उपभोक्ता जुड़े रहते हैं और लगभग सभी गरीब परिवार के होते हैं। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि पीडीएस दुकानदारों के हड़ताल से गरीब परिवार के लोग अपना गुजर-बसर किस परिस्थितियों में कर रहे हैं। रविवार को फेयर प्राइस उपभोक्ता संघ एक बैठक किया। बैठक में यह निर्णय लिया गया कि सरकार की हमलोग वर्षों से सेवा दे रहे हैं, लेकिन जो हमारी मांग है, उस पर विचार नहीं किया जाता है।

चक्रहंसी खेल मैदान पर शिव गुरु महोत्सव आयोजित, शिव शिष्यों की रही भारी भीड़

महोत्सव में क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने जाना तीन सूत्र, भगवान शिव को बनाया अपना गुरु

- गुरु स्वरूप ग्रंथों में महेश्वर को कहा गया प्रथम एवं आदिगुरुः सतीश जी

केटी न्यूज/बक्सर

सदर प्रखंड के चक्रहंसी खेल मैदान में रविवार को शिव गुरु महोत्सव का आयोजन किया गया। इस आयोजन में काफी संख्या में भाई-बहनों ने भाग लिया, जिसमे दूर-दराज से आये सैकड़ों लोगों ने तीन सूत्र जानकर भगवान शिव को अपना गुरु बनाया।

आध्यात्मिक आयोजन के मौके पर जिला शिव कार्य समिति के अध्यक्ष सतीश जी ने कहा कि शिव का गुरु स्वरूप ग्रंथों में 'वंदे विद्यातीर्थ महेश्वरम', 'शम्भवे गुरुवे नमः' 'गुरूणां गुरवे नमः' तथा 'तुम त्रिभुवन गुरु वेद बखाना' की पंक्तियों से प्रदीप्त है यानी महेश्वर को प्रथम गुरु एवं आदिगुरु कहा गया है। किंतु केवल वैचारिक तल पर ही। शिव के विभिन्न स्वरूपों की पूजा का क्रियात्मक पक्ष दृष्टिगोचर है लेकिन उनके गुरु स्वरूप से यथार्थ में जुड़ाव की व्याप्ति नहीं है। इस कालखंड में पहली बार साहब श्री हरिंद्रानंद जी शिव के गुरु स्वरूप से जुड़ाव के लिए तीन सूत्र दिए हैं। जिसमें प्रथम सूत्र अपने गुरु शिव से दया की याचना करना है कि ह्हे शिव आप मेरे गुरु है। मैं आपका शिष्य हूं मुझे शिष्य पर दया कर दीजिए ह्व द्वितीय सूत्र दूसरों के साथ शिव गुरु की चर्चा करना और तृतीय सूत्र अपने गुरु शिव को प्रणाम करना है।

इस आयोजन में मुख्य रूप से कृष्ण कुमार यादव, श्रीभगवान चौधरी, जितेंद्र कुमार, अशोक केसरी, राजेश गुप्ता, सोनू गुप्ता, मोतीलाल, शमशेर बहादुर सिंह, रामाशंकर चौधरी, नथुनी यादव, आशा देवी, गीता देवी, राम अवध चौधरी, चंदन कुमार, सूबेदार साहब, राजू प्रसाद, उमेश समेत सैकड़ों लोग शामिल हुए।

संक्षिप्त समाचार

झारखंड में फिर बदलेगा मौसम का मिजाज, पारा चढ़ने से बढ़ेगी परेशानी, कब हो रही है ठंड की विदाई

रांची, एजेंसी। झारखंड में सोमवार से मौसम में एक बार फिर बदलाव संभव है। अधिकतम और न्यूनतम तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की बढ़ोत्तरी हो सकती है। इससे सुबह में तो हल्का धुंध रहेगी, लेकिन जैसे-जैसे दिन चढ़ेगा, तेज धूप लोगों को परेशान कर सकती है। मौसम विभाग ने फिलहाल बारिश होने के कोई संकेत नहीं दिए हैं। मौसम विभाग ने अपने पूर्वानुमान में बताया है कि रविवार की सुबह में हल्की धुंध और ठंड रहेगी, लेकिन दिन में आसमान साफ रहने से गर्मी का अहसास होगा। शाम होते ही तापमान में फिर गिरावट आ सकती है। झारखंड में सबसे कम तापमान चतरा का रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को यहां का न्यूनतम तापमान 5 ।5 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि सबसे अधिक तापमान सरायकेला का रहा। शनिवार को यहां का अधिकतम तापमान 35 ।4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। राजधानी रांची में शनिवार को शुक्रवार की अपेक्षा फिर अधिकतम और न्यूनतम तापमान में गिरावट दर्ज की गयी है। रांची का अधिकतम तापमान शनिवार को 25 ।8 डिग्री सेल्सियस रहा। पिछले 24 घंटे में 1 ।2 डिग्री सेल्सियस की कमी आयी, जबकि न्यूनतम तापमान 11 ।8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया, जिसमें पिछले 24 घंटे में 0 ।6 डिग्री सेल्सियस की कमी रही।

जेएलकेएम ने 7 सूत्री मांगों को लेकर अंचल कार्यालय पर दिया धरना

धनबाद, एजेंसी। जेएलकेएम ने सात सूत्री मांगों को लेकर शुक्रवार को गोविंदपुर अंचल कार्यालय के समक्ष धरना दिया। इसमें सरकारी (गैर आबाद) जमीनों से अवैध कब्जा हटाने व नया प्राथमिक विद्यालय हरिजन टोला कुरची की जमीन से अतिक्रमण हटाने की मांग मुख्य है। धरना का नेतृत्व जेबीकेएसएस नेता अखलाक अंसारी व युवा मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष कुश महतो कर रहे थे। मुखिया निमाई महतो व उप मुखिया चंडी महतो भी शामिल थे। धरना में स्कूली बच्चों के अलावा बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भी भाग लिया। वक्ताओं ने कहा नया प्राथमिक विद्यालय कुरची की 1 ।72 एकड़ जमीन पर भू-माफिया द्वारा कब्जा किया जा रहा है। उक्त सरकारी जमीन की अंचल कार्यालय ने रसीद भी काट दी है। कुश महतो ने कहा कि अंचल कार्यालय में जमीन मापी के नाम पर वसूली हो रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि दाखिल खारिज और ऑनलाइन के नाम पर जनता को दौड़ाने की प्रवृत्ति बंद नहीं हुई तो विधायक जयराम महतो के नेतृत्व में आंदोलन किया जाएगा। अखलाक अंसारी ने अंचल कार्यालय जमीन दलालों को संरक्षण देने का आरोप लगाया। धरना में सहदेव महतो, डिंपल चौबे, बलराम महतो, गौतम महतो, मंताज अंसारी आदि शामिल थे। सीओ धर्मेंद्र कुमार दुबे ने कहा कि 25 वर्ष पूर्व सरकार ने एससी समुदाय को उक्त जमीन की बंदोबस्ती कर दी है। इससे अंचल कार्यालय का अब कोई लेना-देना नहीं है। जिसे बंदोबस्ती दी गई थी, उसने विद्यालय के लिए 30 डिसमिल जमीन छोड़ भी दी है।

पिछले कुछ वर्षों में 15 हजार से ज्यादा चेक हुए बाउंस

रांची, एजेंसी। अगर आप किसी को चेक के माध्यम से पैसों का भुगतान कर रहे हैं तो चेक काटने से पहले यह जरूर चेक कर लें कि आपके खाते में बैलेंस है या नहीं। क्योंकि रांची समेत पूरे झारखंड में पिछले कुछ वर्षो में 15000 से ज्यादा चेक बाउंस हुए हैं। यह बैंक के साथ-साथ चेक काटने और चेक लेने वालों के लिए परेशानी का सबब बनता जा रहा है। हालांकि ऐसे मामलों को सुलझाने के लिए इस महीने होने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष जोर दिया जा रहा है।
लेकिन यह आंकड़े बताते हैं कि चेक बाउंस के मामलों में इजाफा हो रहा है। जानकारी के मुताबिक, भूमि की खरीद-बिक्री के लिए दिये जाने वाले चेक सबसे ज्यादा बाउंस हो रहे हैं, जिसके बाद मामला पहले कोर्ट और फिर थाना पहुंच रहा है। झालसा के मुताबिक, 22 फरवरी को लोक अदालत लगायी जायेगी। जिसमें चेक बाउंस से जुड़े मामलों के निष्पादन पर विशेष फोकस रहेगा। ज्यादा से ज्यादा मामलों के निष्पादन के लिए 50 हजार से ज्यादा पक्षकारों को अब तक नोटिस भेजा जा चुका है ।झालसा 17 से 21 फरवरी तक प्री लोक अदालत सिटिंग का भी आयोजन करेगा। चेक बाउंस के बढ़ते मामलों को देखते हुए इस महीने लगने वाले राष्ट्रीय लोक अदालत के दौरान चेक बाउंस के मामलों के निष्पादन पर भी विशेष ध्यान दिया गया है।

धनबाद में बीसीसीएल की आउटसोर्सिंग कंपनी और रैयतों के बीच हिंसक झड़प, 12 घायल

धनबाद, एजेंसी। कोयलांचल में आउटसोर्सिंग और रैयतों के बीच हिंसक झड़प की घटना थमने का नाम नहीं ले रही है। ताजा मामला बीसीसीएल लोदना एरिया दस के अलकडीहा ओपी क्षेत्र में चल रहे एटी देव प्रभा आउटसोर्सिंग का है। जहां सुरंगा बस्ती के ग्रामीणों और आउटसोर्सिंग के गुर्गों के बीच हिंसक झड़प की घटना घटी। इस हिसंक झड़प में महिला और पुरुष मिलाकर कुल 12 लोग घायल हुए हैं। जिनमें दो की हालत नाजुक बनी है। इनमें से कुछ का इलाज एसएनएमएमएच में चल रहा है। जबकि अन्य का इलाज स्थानीय अस्पताल में किया जा रहा है। वहीं दो दर्जन से अधिक बाइक को आगे के हवाले कर दिया गया है।

ग्रामीणों ने आउटसोर्सिंग के गुर्गों के द्वारा पथराव, फायरिंग और बमबाजी के साथ ही लाठी डंडे से मारपीट करने का आरोप लगाया है। ग्रामीणों ने आउटसोर्सिंग के दो गुर्गों को भी पकड़कर बंधक बनाए हुए हैं। ग्रामीण काफी आक्रोशित हैं। ग्रामीणों का प्रशासन के प्रति ज्यादा आक्रोश नजर आ रहा है। प्रशासन की कोई भी टीम गांव में प्रवेश नहीं की।

सुरूंगा के रैयतों का कहना है कि आउटसोर्सिंग कंपनी के द्वारा हमारी जमीनों पर ओबी डंप किया जा रहा है। ओबी डंप के कारण जमीन पूरी तरह से तहस नहस हो चुकी है। जमीन पर ओबी डंप का पहाड़ बना दिया गया है। रैयतों को ना तो मुआवजा मिला है और ना ही नियोजन। पिछले कई दिनों से रैयत इसके लिए आंदोलन कर रहे हैं।

शनिवार को भी कंपनी ओबी डंप कर रही थी। ओबी डंप रोकने के लिए ग्रामीण जुट गए। जिसके बाद कंपनी के प्रबंधक के सैकड़ों गुर्गे मौके पर पहुंच गए। उनके द्वारा पथराव किया गया। दहशत फैलाने के लिए फायरिंग और बमबाजी की गई। महिलाओं और पुरुषों के ऊपर कंपनी के गुंडों ने लाठियां बरसाई। जिसमें करीब 12 रैयत घायल हो गए हैं। जिनमें दो की हालत नाजुक बनी हुई है। सभी का इलाज अस्पताल में चल रहा है।

रैयतों ने घटना में शामिल कंपनी के दो गुर्गों को भी पकड़ा है। उन्हें बंधक बनाकर रखा गया है। ग्रामीणों के समक्ष मीडिया को दिए बयान में उन्होंने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। विनय राय और एक अन्य व्यक्ति है, जिसे ग्रामीणों ने बंधक बनाया है। दोनों ने बताया कि वह आउटसोर्सिंग कंपनी में काम करते हैं। सतीश महतो के कहने पर ही वे दोनों व अन्य लोग घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचे थे, नहीं करने पर काम से निकाल देने की धमकी सतीश महतो देते हैं।मौके पर पहुंचे सीओ प्रवीण कुमार ने कहा कि यहां ग्रामीण और आउटसोर्सिंग प्रबंधक के बीच झड़प हुई है।

मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। वहीं सिंदरी एसडीपीओ आशुतोष कुमार सत्यम ने कहा कि रैयत और आउटसोर्सिंग कंपनी के बीच झड़प हुई है। जिसमें चार से पांच लोग घायल हैं। गोलीबारी और फायरिंग की घटना की जांच की जा रही है। एसडीपीओ ने बताया कि ग्रामीण ओबी डंप को रोकने के लिए पहुंचे थे। जिसके बाद यह घटना घटी है।

ट्रक से टकराई यात्री गाड़ी, 1 की मौत, 12 से अधिक घायल

पलामू, एजेंसी। पलामू जिले के सतबरवा थाना क्षेत्र के बकोरिया गांव के पास शुक्रवार तड़के करीब 4 बजे एक यात्री वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गया। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 12 से अधिक लोग घायल हो गए। इनमें से पांच की हालत नाजुक बनी हुई है।

मृतक की पहचान मजहर हुसैन के रूप में हुई है। वहीं, गंभीर रूप से घायल असमीना बीवी, रानी खातून, सुहानी परवीन, गफ्फार हुसैन समेत अन्य घायलों का इलाज मनिका अस्पताल में किया गया। सभी घायल मनिका थाना क्षेत्र के रेवत गांव के रहने वाले हैं और एक ही परिवार के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, सभी लोग पलामू जिले के लेस्लीगंज में कव्वाली सुनने गए थे और लौटते समय यह हादसा हो गया। बकोरिया पेट्रोल पंप के पास अचानक वाहन अनियंत्रित होकर खड़े ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि यात्री वाहन पूरी तरह चकनाचूर हो गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को सूचना दी। मौके पर पहुंची एंबुलेंस की मदद से घायलों को मनिका अस्पताल पहुंचाया गया। वहां डॉक्टर उमेश और सत्येंद्र कुमार ने सभी का इलाज किया। इलाज के दौरान मजहर हुसैन की मौत हो गई, जबकि पांच घायलों की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें रिम्स रेफर किया गया। प्रारंभिक जांच में यह चर्चा है कि वाहन चालक को झपकी आने के कारण यह दुर्घटना हुई। हादसे में कई घायलों को सिर व चेहरे पर गंभीर चोटें आई हैं, जिनमें कुछ बच्चे भी शामिल हैं। शेष घायलों की हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है।

झारखंड में हाथ पर हाथ धरे बैठा है योजना विभाग, अगले वर्षों के लिए नहीं है कोई प्लानिंग

रांची, एजेंसी। झारखंड में विकास के लिए योजनाएं बनाने का जिम्मा जिस विभाग के पास है, वह हाथ पर हाथ धरे बैठा है। यह विभाग कोई और नहीं, बल्कि योजना विभाग है। विभाग शुरू से ही हर वर्ष वार्षिक रिपोर्ट तैयार करता है, लेकिन पिछले कुछ वर्षों से यह रिपोर्ट तैयार नहीं हुई है। इससे कहीं न कहीं विकास कार्य प्रभावित हो रहे हैं।

रिपोर्ट नहीं होने से इस बात का अनुमान ही नहीं लग पा रहा है कि कौन सा कार्य कितनी अवधि में पूरी होनी है। इसके लिए कितनी राशि की आवश्यकता होगी।

कहीं न कहीं इससे विकास कार्यों पर नकारात्मक प्रभाव भी पड़ रहा है। सूत्रों के अनुसार 2021 से यह कार्य पूरी तरह बंद है।

दरअसल, झारखंड में कई वर्षों तक वित्त और योजना विभाग एक साथ संचालित हो रहा था। बाद में वित्त और योजना विभागों को अलग-अलग कर दिया गया, इसके बाद से ही योजना विभाग पंगु है। यहां भविष्य के लिए योजनाओं का घोर अभाव है। इसके पीछे का एक बड़ा कारण एक्सपर्ट और कर्मियों की कमी भी है।

देश में एक मात्र राज्य झारखंड है जहां भविष्य के लिए योजनाओं का निर्माण बंद है। यह कार्य अमित खरे के झारखंड से जाने के बाद से ही शिथिल पड़ा हुआ है। योजना विभाग विकास का कार्य करता है, जिसे वित्त विभाग लागू करता है।

एनुअल रिपोर्ट नहीं होने से इस बात की जानकारी नहीं हो पाती कि अगले पांच वर्षों में राज्य कहां पहुंचेगा। इस वर्ष क्या हो रहा है और अगले वर्षों की क्या योजना है। एनुअल रिपोर्ट के बगैर प्लान साइज तय हो जा रहा है।

वित्त विभाग इसी के लिए राशि का प्रबंध करता है, लेकिन एनुअल प्लान नहीं होने से हाथ पर हाथ धरकर बैठने के अलावा कोई चारा नहीं है। इसके बदले योजना आलेख बनाकर काम चलाया जा रहा है।

राज्य विकास परिषद काम नहीं कर रहा, एक्सपर्ट भी नहीं हैं। भविष्य की योजनाओं के निर्माण के लिए स्टेट डेवलपमेंट काउंसिल बनाया गया था, लेकिन यह संस्थान कार्यरत नहीं है।

इसके लिए विभाग में एक्सपर्ट कर्मियों की भी कमी है। सिस्टम से काम होना बंद हो गया है, जिस कारण से योजनाओं पर कोई काम नहीं हो रहा है।

राज्य विकास परिषद के पदेन अध्यक्ष मुख्यमंत्री होते हैं। परिषद में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मंतव्य प्राप्त कर नीतियों का निर्धारण तथा कार्यक्रमों के योजनाबद्ध क्रियान्वयन के लिए राज्य सरकार को परामर्श दिया जाता रहा है। इसकी तमाम शाखाओं में अभी कर्मियों की कमी है।

डिफेंस में नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला साइबर अपराधी गिरफ्तार

कोडरमा, एजेंसी। यूट्यूब के जरिये लोगों को झांसे में लेकर डिफेंस में नौकरी दिलाने के नाम पर ऑनलाइन क्लास के जरिए ठगी करने वाले एक साइबर अपराधी को कोडरमा पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी के पास से पुलिस ने लैपटॉप, मोबाइल और फर्जी सर्टिफिकेट समेत अन्य सामान बरामद किए हैं।

इस मामले की जानकारी कोडरमा एसपी अनुदीप सिंह ने दी है। गिरफ्तार साइबर अपराधी मुकेश यादव यूट्यूब के जारिए डिफेंस की तैयारी के बहाने युवक को झांसे में लेकर ठगी करता था। इसके साथ ही उन्हें फर्जी सर्टिफिकेट देकर नौकरी का झांसा देकर ठगी किया करता था। गिरफ्तार साइबर अपराधी की पहचान कोडरमा थाना क्षेत्र के लोकाई के मुकेश यादव रूप में हुई है।

एसपी अनुदीप सिंह ने बताया कि साइबर अपराधी तिलैया थाना क्षेत्र के पानी टंकी रोड में किराए के मकान में रहकर 2020 से यूट्यूब पर एक चैनल के माध्यम से बच्चों को डिफेंस की तैयारी के लिए क्लास चला रहा था और अपने यूट्यूब चैनल के माध्यम से ही लोगों को फर्जी सर्टिफिकेट देकर उनसे मोटी रकम वसूला करता था। जब बच्चों के सर्टिफिकेट की जांच की जाती थी तो वह फर्जी पाया जाता था और बच्चे नौकरी से हाथ धो बैठते थे। गौरतलब है कि साइबर अपराधी के यूट्यूब चैनल पर 3 लाख से ज्यादा सब्सक्राइबर थे और उसने अलग-अलग राज्यों के 120 से ज्यादा युवाओं को अपनी ठगी का शिकार बनाया है।

पारा शिक्षक और आंगनबाड़ी सेविकाएं भी ले रहीं थीं मंईयां सम्मान योजना का लाभ,

पलामू, एजेंसी। जिले में मंईयां सम्मान योजना के तहत 584 फर्जी लाभुकों से पैसे की वसूली की जाएगी। पलामू में प्रशासनिक जांच में बड़ी संख्या में फर्जी लाभुक पकड़े गए हैं, जिनमें पारा शिक्षक और आंगनबाड़ी सेविका भी शामिल हैं। बड़ी संख्या में ऐसे लाभुक हैं, जो मंईयां सम्मान योजना के पात्र ही नहीं थे। बड़ी संख्या में ऐसे लाभुक पकड़े गए हैं, जिनकी उम्र 50 वर्ष से अधिक है। कुछ ऐसे लोग भी हैं, जो विभिन्न सरकारी प्रतिष्ठानों से जुड़े हैं।

पलामू में मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों के सत्यापन का काम चल रहा है। पलामू में मंईयां योजना के 3,72,937 लाभुक हैं। पलामू के 21 प्रखंडों में जांच चल रही है।

शुरुआती चार प्रखंडों की रिपोर्ट सामने आ गई है। मेदिनीनगर सदर प्रखंड में 189, सतबरवा में 170, लेस्लीगंज में 82 और रामगढ़ में 143 फर्जी लाभुक पकड़े गए हैं।

प्रशासनिक जांच में यह बात सामने आई है कि सरकारी कर्मचारियों के परिवार के लोग भी मंईयां योजना का लाभ ले रहे हैं। पलामू में ढाई हजार से ज्यादा ऐसे लोग पकड़े गए हैं।

अमेरिका से भारतीयों को अपमानजनक डिपोर्ट करने पर रांची में कांग्रेस का प्रदर्शन, कहा- देश से माफी मांगे प्रधानमंत्री मोदी

रांची, एजेंसी। अमेरिका द्वारा भारतीय नागरिकों को बेड़ियों और जंजीरों में जकड़ कर अमानवीय रूप से सेना के विमान से भारत भेजे जाने और इस मुद्दे पर पीएम मोदी की चुप्पी को कांग्रेस हर भारतीय का अपमान बता रही है। हाथ में हथकड़ी और पैर में बेड़ियां लगाकर भारतीयों को डिपोर्ट किये जाने के विरोध में आज अखिल भारतीय कांग्रेस के आह्वान पर झारखंड प्रदेश कांग्रेस ने अध्यक्ष केशव महतो कमलेश के नेतृत्व में कांग्रेस भवन से परमवीर अल्बर्ट एक्का चौक तक आक्रोशपूर्ण विरोध मार्च निकाला। कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला दहन किया।

आज हर देशवासी खुद को शर्मिंदा महसूस कर रहा हैः केशव महतो कमलेश

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने कहा कि भारतीय नागरिकों के साथ किए गए अमेरिकी ट्रम्प सरकार के कृत्य ने पूरे विश्व में भारत को शर्मसार किया है। इस मामले में कड़ा विरोध दर्ज करने की बजाय विदेश मंत्री द्वारा अमेरिकी सरकार का पक्ष लिया जा रहा है। वहीं प्रधानमंत्री ने चुप्पी साध रखी है। छोटे-छोटे देश की सरकार को अपनी जनता के मान सम्मान का ख्याल है लेकिन प्रधानमंत्री और केंद्र की सरकार को भारतीय नागरिकों के मान सम्मान का कोई ख्याल नहीं है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि निर्वासित भारतीय कोई अपराधी नहीं थे बल्कि आम भारतीय नागरिक थे। जिनके साथ हैवानियत भरा बर्ताव किया गया। इस घटना की भयावहता का अंदाजा लगाया जा सकता है कि विश्व गुरु का डंका पीटने वाले नरेंद्र मोदी के राज में रोजगार और कमाई का जरिया किस स्तर तक कम है, रोजगार के लिए लोग अपना देश छोड़कर अवैध रूप से दूसरे देशों में पलायन को मजबूर हो रहे हैं। आज हर वह भारतीय शर्मिंदा है जिन्होंने नरेंद्र मोदी के आह्वान पर डोनाल्ड ट्रंप के भारत आगमन पर नमस्ते ट्रंप और ताली बजाने का काम किया था। यह भारत का दुर्भाग्य है कि मोदी सरकार द्वारा घोटालेबाज और अपराधियों को वैध तरीके से देश के बाहर ससम्मान भेजा जाता है और रोजगार की तलाश में आम लोगों को अवैध रूप से दूसरे देश में जाना पड़ रहा है। ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी के खास दोस्त डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय प्रवासियों के साथ अमानवीय व्यवहार करके भारत के प्रति अपने रुख का इशारा कर दिया है। कोलंबिया जैसे देश ने अमेरिकी जहाज को उतरने नहीं दिया और ससम्मान अपने नागरिकों को वापस लाया।

आर्थिक संकट से गुजर रही एचईसी की हालत गंभीर, नहीं निकाल पा रही है दैनिक खर्च

रांची, एजेंसी। गंभीर आर्थिक संकट से गुजर रही एचइसी को कार्यादेश (वर्क ऑर्डर) नहीं मिल रहा है। वहीं कंपनियों द्वारा पूर्व में मिले ऑर्डर का डिस्पैच भी समय पर नहीं हो रहा है। यह जानकारी प्रबंधन ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में दी है। एचइसी प्रबंधन द्वारा जारी वार्षिक रिपोर्ट 2023-24 में बताया गया है कि वित्तीय संकट के कारण उत्पादन और बिक्री प्रभावित हुई है। जिससे औद्योगिक संबंध की स्थिति भी चुनौतीपूर्ण हो गयी है। इसके अलावा पुरानी मशीनों के बार-बार खराब होने से ऑर्डर के निष्पादन पर असर पड़ा है। जिसका अप्रत्यक्ष असर नकदी प्रवाह चक्र पर भी पड़ा है। वित्तीय वर्ष 2023-24 में कंपनी को 24।84 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले हैं। एचइसी द्वारा प्राप्त ऑर्डर में मुख्य रूप से एचइसी द्वारा आपूर्ति किये गये उपकरणों के लिए स्पेयर शामिल है। जिनमें इलेक्ट्रिक रोप शॉवेल, ड्रैगलाइन, क्रशर, स्टील प्लांट उपकरण, इओटी क्रेन और भारी मशीन टूल्स के लिए स्पेयर शामिल हैं। इसके अलावा एचइसी ने स्टील प्लांट के लिए स्लैग पार्ट्स और फोर्ज्ड रोल्स के लिए ऑर्डर प्राप्त किये हैं।

रिपोर्ट में कहा गया कि वित्तीय संकट इतना गंभीर हो गया है कि ॥श्वष्ट अपने दैनिक खर्चों को पूरा करने में भी सक्षम नहीं है। इससे एचइसी को पहले से मिले ऑर्डरों के क्रियान्वयन पर असर पड़ रहा है। एचइसी में चल रही वित्तीय समस्या को देखते हुए ग्राहक एचइसी को ऑर्डर देने से बच रहे हैं। केवल खनन और इस्पात के पुर्जों के लिए कार्यादेश मिला है। एचइसी की नकारात्मक नेटवर्थ और कार्यशील पूंजी के कारण एचइसी टर्न की परियोजनाओं के ऑर्डर प्राप्त करने के लिए उच्च मूल्य निविदाओं में भी भाग नहीं ले पा रहा है। एचइसी के पास वर्तमान में 1225।07 करोड़ रुपये का कार्यादेश है।

वार्षिक रिपोर्ट में ॥श्वष्ट पर खतरे की बात भी कही गयी है, जिसमें कहा गया है कि आधुनिकीकरण के अभाव में एचइसी मौजूदा बाजार में प्रतिस्पर्द्धा खो रही है और आगामी निविदाओं में भाग लेने में असमर्थ है। डिलिवरी में देरी के कारण ग्राहक बातचीत के आधार पर नया ऑर्डर देने से बच रहे हैं। इसके अलावा एचइसी को निविदाओं में भाग लेने से रोकने के लिए विभिन्न ग्राहकों ने एचइसी के साथ भविष्य में व्यापारिक लेन-देन को निलंबित कर दिया है। टर्न की परियोजना निविदाओं के मामले में सीआइएल और सेल ने सकारात्मक नेट वर्किंग कैपिटल और सकारात्मक नेटवर्थ के लिए मानदंड पेश किये हैं। जिस कारण एचइसी सीएचपी और सामग्री हैंडलिंग के लिए उच्च मूल्य वाली निविदाओं में भाग लेने में समक्ष नहीं है।

एचइसी के इतिहास में वित्तीय वर्ष 2023-24 वर्कऑडर के मामले में सबसे खराब वर्ष रहा है। कंपनी को 24।84 करोड़ रुपये के ऑर्डर मिले। वहीं वित्तीय वर्ष 2022-23 में 141 करोड़, वर्ष 2021-22 में 188 करोड़, वर्ष 2020-21 में 1421 करोड़ और वर्ष 2019-20 में 1013 करोड़ रुपये का कार्यदेश मिला था।

रांची सदर अस्पताल परिसर में दो नाबालिगों से दरिंदगी, सभी चारों आरोपी हैं नाबालिग

रांची, एजेंसी। रांची के सदर अस्पताल परिसर स्थित डॉक्टर्स-स्टाफ क्वार्टर में शुक्रवार की देर रात दो नाबालिगों से दुष्कर्म की वारदात हुई है। इस मामले में लोअर बाजार पुलिस चारों आरोपियों को अपने साथ ले गयी है। दुष्कर्म की वारदात में शामिल सभी आरोपी नाबालिग हैं। घटना के संबंध में बताया जा रहा है कि शुक्रवार की रात प्रतिमा विसर्जन के लिए सदर थाना क्षेत्र की दो लड़कियां गयी थीं। लौटने के क्रम में चार नाबालिग लड़कों ने उन्हें बहलाया-फुसलाया। फिर रात में दोनों लड़कियों को लेकर सदर अस्पताल परिसर में बने डॉक्टर्स-स्टाफ क्वार्टर में खाली पड़े एक कमरे में दो नाबालिग लड़के अपने साथ दो नाबालिग लड़कियों को लेकर घुस गये। इसके बाद कमरे का दरवाजा अंदर से बंद कर लिया, जबकि दो अन्य नाबालिग लड़के कमरे के बाहर पहरा देने लगे।

कुछ समय बाद अस्पताल के स्टाफ और सुरक्षाकर्मी वहां पहुंचे। लड़कों को देखकर पूछताछ की। तब उनलोगों ने बताया कि उनके दो साथी दो लड़कियों के साथ कमरे में हैं। जब कमरा खुलवाने की कोशिश की गयी, तो वे कमरा नहीं खोल रहे थे। जब कमरा खोला, तो लड़कियों के साथ दो लड़के मिले। सभी नाबालिग दिखे।

इसके बाद अस्पताल के स्टाफ ने इसकी जानकारी अस्पताल प्रबंधन को दी। साथ ही इसकी सूचना लोअर बाजार थाना को भी दी गयी। मौके पर लोअर बाजार पुलिस भी पहुंच गयी, वहीं नाबालिगों के अभिभावक भी वहां पहुंच गये।पुलिस मौके से चारों नाबालिग आरोपियों को अपने साथ ले गयी। वहीं पीड़िता की अस्पताल में चिकित्सकीय जांच भी करायी गयी। मामले में लोअर बाजार पुलिस ने पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस की पूछताछ में पीड़िताओं ने पुलिस को बताया कि उन्हें बहला-फुसलाकर आरोपी सदर अस्पताल परिसर स्थित एक कमरे में ले गये थे।

सुभाषितम्

मनुष्य अपने जन्म से नहीं बल्कि अपने कर्म से महान बनता है

- चाणक्य

दिल्ली में भाजपा की जीत के मायने: मोहन भागवत और गुजरात लॉबी आमने-सामने?

दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे भारतीय राजनीति में एक नया संकेत दे रहे हैं। दिल्ली के चुनाव में भाजपा की जीत आम आदमी पार्टी (आप) की हार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ में मोहन भागवत तथा नरेंद्र मोदी की गुजरात लॉबी के बीच गहरे मतभेद को उजागर करने वाला है। दिल्ली चुनाव को लेकर आरएसएस में दो विचारधारा समानांतर काम कर रही थी। एक विचारधारा आप को दिल्ली की सत्ता में बनाए रखना चाहती थी। नरेंद्र मोदी और उनकी संघ में स्थापित टीम ने संघ नेतृत्व की इच्छा के विरुद्ध जाकर दिल्ली के विधानसभा चुनाव में चुनावी खेल अपने तरीके से खेला। गुजराती लॉबी ने जीत हासिल की है। इसका असर अब भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव में देखने को मिलेगा। आरएसएस लंबे समय से भाजपा के साथ मिलकर राजनीतिक समीकरण तैयार करता रहा है। संघ ने कई बार नरेंद्र मोदी को आगे बढ़ाया। हाल के वर्षों में मोदी सरकार पर उसका नियंत्रण कमजोर हो गया है। संघ का एक बड़ा धड़ा गुजरात लॉबी के प्रभाव में हैं। अडानी-अंबानी के प्रभाव में आई भाजपा अब संघ के पुराने ढांचे से अलग होकर अपनी स्वतंत्र सत्ता स्थापित करने की कोशिश कर रही है। यही कारण है कि दिल्ली में भाजपा की जीत को केवल एक चुनावी विजय के रूप में नहीं, बल्कि संघ के लिए एक चुनौती के रूप में भी देखा जा रहा है। अन्ना आंदोलन को लेकर संघ ने एक बड़ी लड़ाई लड़ी थी उसके बाद संघ की रणनीति थी आम आदमी पार्टी आप को संघ का एक अनुवांशिक संगठन बनाकर विपक्ष में रखा जाए। कांग्रेस को देश भर में लगातार कमजोर करते रहें। भविष्य में भारतीय राजनीति दो ध्रुवीय हो जाए। एक तरफ भाजपा और दूसरी तरफ आप हो। दोनों ही राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के अनुवांशिक संगठन होंगे, जिसके कारण हिंदू राष्ट्र की परिकल्पना को साकार किया जा सके। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गुजराती लॉबी ने इस योजना पर पानी फेर दिया है। आप को हाशिए पर धकेलने का काम गुजराती लॉबी ने किया है। गुजराती लाबी अब सीधे संघ को चुनौती दे रही है। संघ के निष्ठावान कार्यकताओं और आनुवांशिक संगठनों के बीच में पैसे का खेल करके भाजपा जिस पर गुजराती लाबी ने अपना दबाव बना लिया है। अनुवांशिक संगठनों को भी संघ से दूर कर देने का काम किया है। विश्व हिंदू परिषद जैसे अनुवांशिक संगठन अब सीधे-सीधे मोहन भागवत को चुनौती देने लगे हैं। जिसको लेकर संघ प्रमुख बहुत चिंतित हैं। दिल्ली चुनाव का नतीजा इस बात का प्रमाण है, मोदी और संघ के बीच का सत्ता संघर्ष भविष्य में बढ़ने वाला है। दिल्ली विधानसभा चुनाव नतीजों से यह स्पष्ट होता है। भाजपा ने अब आरएसएस के मार्गदर्शन की परवाह ना करते हुए संघ के नियंत्रण से दूर होना चाहता है। चुनाव आयोग, मीडिया और सरकारी एजेंसियों का जिस तरह से चुनाव में आम आदमी पार्टी के खिलाफ इस्तेमाल किया गया, वह दिखाता है, अब भाजपा पूरी तरह मोदी और उनकी टीम के नियंत्रण में है। आने वाले दिनों में आरएसएस इस स्थिति से कैसे निपटता है? भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव में संघ की चलेगी या नहीं, यह कुछ ही दिनों में देखने को मिल सकता है। संघ नरेंद्र मोदी को खुली चुनौती देगा, या परदे के पीछे से अपनी पकड़ मजबूत बनाए रखने की कोशिश करेगा? यह तय है, दिल्ली की हार केवल आम आदमी पार्टी और अरविंद केजरीवाल की हार नहीं है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और मोहन भागवत के लिए भी यह एक बड़ा झटका है। दिल्ली विधानसभा चुनाव परिणाम सुनियोजित चुनाव परिणाम बताये जा रहे हैं। गुजराती लॉबी ने एक तीर से कई शिकार किए हैं। दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस 0 सीट पर है। कांग्रेस वोट प्रतिशत में दहाई के आंकड़े पर भी नहीं पहुंची है। गुजराती लॉबी संघ के अंदर अपने अनुवांशिक संगठन जो लगातार उसे चुनौती दे रहा था, उसे एक तरह से खत्म कर दिया है। संपूर्ण देश में दिल्ली विधानसभा चुनाव जीतकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक नई भूमिका में आ गए हैं।

चिंतन-मनन

समय का चक्र

जब तुम्हें लगता है कि समय बहुत कम है, तुम या तो बेचैन होते हो या अत्यन्त सजगता की अवस्था में होते हो। दुखी या उत्सुक होने पर तुम्हें समय बहुत लम्बा लगता है। जब तुम प्रसन्न हो और जो कुछ कर रहे हो, उसमें आनंद आ रहा है, तब तुम्हें समय का आभास नहीं होता। इसी प्रकार, नींद में भी तुम्हें समय का आभास नहीं होता। जब तुम समय से आगे हो, समय कटता ही नहीं और नीरसता अनुभव होती है। जब समय तुम्हारे आगे है, तब तुम आश्चर्यचकित और स्तब्ध होते हो। तुम घटनाओं को आत्मसात नहीं कर पाते। गहन ध्यान में तुम ही समय हो और सब कुछ तुम्हारे ही अहदर घटित हो रहा है। घटनाएं तुममें ऐसे घट रही हैं, जैसे आसमान में बादल गुजरते हैं। जब तुम समय के साथ होते हो, तुम ज्ञानी हो, तुम्हारा मन शांत है। जब मन प्रसन्न होता है, तब यह विस्तृत होता है, तब समय भी बहुत छोटा लगता है। जब मन दुखी होता है, संकुचित होता है, तब समय बहुत लंबा प्रतीत होता है। जब मन समचित्त है, स्थिर है, तब यह काल के परे है। इन दोनों स्थितियों से बचने के लिए कई व्यक्ति शराब या निद्रा का सहारा लेते हैं, परंतु जब मन जड़ या बेसुध होता है, तब यह अपनी ही अनुभूति नहीं कर सकता। समाधि ही असल शांति है, जो मन और समय के परे है। जैसे मन समय को अनुभव करता है, वैसे इस क्षण का भी अपना एक मन है। एक विराट मन, जिसमें व्यवस्था करने की अपरिमित और असीम योग्यता है। एक विचार और कुछ नहीं, समय के इस क्षण में एक तरंग है और समाधि के कुछ ही पल मन को ऊर्जा से भर देते हैं। निद्रावस्था के पहले और जिस पल तुम नींद से जगाते हो, सचेतनता के उन धूमिल क्षणों में, समय के परे जाने का अनुभव करो।

आखिरकार बीजेपी ने जीता दिल्लीवासियों का दिल

मुस्ताअली बोहरा

आखिरकार, करीब ढाई दशक बाद दिल्ली में भाजपा का सूखा खत्म हो गया। भारतीय जनता पार्टी के लिए दिल्ली की जीत इस मायने में भी खास है क्योंकि देश के ज्यादातर हिस्सों में भाजपा या भाजपा गठबंधन की सरकार है लेकिन देश की राजधानी में ही वो जीत के लिए तरस रही थी। 2014 के बाद भाजपा ने लगातार चुनावी फतह हासिल की। केन्द्र में भी तीसरी बार सत्ता कब्जाई। मोदी-शाह की जोड़ी ने करीब करीब देश भर में भाजपा के झंडे गाड़े, कई छोटे या क्षेत्रीय दलों को मात दी, कांग्रेस को हासिए पर धकेल दिया लेकिन नाक के नीचे दिल्ली में अरविंद केजरीवाल और उनकी आम आदमी पार्टी चुनौती देती रही। दिल्ली में सत्ता हासिल करने के लिए भाजपा ने केजरीवाल के मुददों की ही काट बनाई और चुनावी बिसात पर आम आदमी पार्टी को मात दी। यमुना नदी का प्रदूषण, अरविंद केजरीवाल के शीशमहल, फ्री बिजली-पानी जैसी योजनाएं, मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर नए समीकरण, बिना सीएम फेस के चुनाव लड़ने जैसी रणनीति ने भाजपा को जीत के करीब पहुंचा दिया। खास बात ये भी है कि भाजपा की जीत और आप की हार के पीछे कांग्रेस भी एक कारण रही हैं। कांग्रेस खुद भले ही चुनावी टक्कर में ना रही हो लेकिन उसने आप के वोट काटकर भाजपा की जीत की राह आसान कर दी।

दिल्ली विधानसभा चुनाव के परिणाम 8 फरवरी 2025 को घोषित हो गए। 5 फरवरी को हुए मतदान में कुल 60.54 प्रतिशत वोट पड़े थे। दिल्ली में पिछले एक दशक से आम आदमी पार्टी का दबदबा रहा है। इस पार्टी ने साल 2013, 2015 और 2020 में लगातार अपनी सरकार बनाई। वर्ष 2015 में आप ने 70 में से 67 सीटों पर जीत दर्ज की थी और 2020 में भी 62 सीटों पर कब्जा किया था। वहीं, बीजेपी ने 2015 में महज 3 सीटें जीतीं और 2020 में यह संख्या बढ़कर 8 हो गई थी। वहीं, इससे पहले सन 1998, 2003 और 2008 में कांग्रेस ने जीत हासिल की थी। चुनावी नतीजों के आधार पर ये कहा जा रहा है कि कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के वोट बैंक में सेंध लगाते हुए उसके वोट काटे। जानकारों का मानना है कि कांग्रेस ने ऐसा करके हरियाणा और गुजरात विधानसभा चुनावों का बदला चुकता कर लिया। कांग्रेस नेता राहुल गांधी और सांसद प्रियंका गांधी ने भी आप के सर्वेसर्वा अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा। दोनों ने ही आप सरकार की नाकामियों को उजागर किया। आप ने ही दिल्ली में कांग्रेस को हासिए पर धकेल दिया था, इसके बाद हरियाणा और गुजरात के चुनावों में भी आप ने कांग्रेस के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी थी। यही वजह थी राहुल और प्रियंका दोनों ने ही आप सरकार और केजरीवाल पर सीधे तौर पर निशाना साधा। राहुल गांधी ने यमुना नदी पर डॉक्यूमेंट्री बनाई, इस डॉक्यूमेंट्री में उन्होंने यमुना नदी के प्रदूषण और उसकी सफाई के मुद्दे पर दिल्ली सरकार की नाकामी को उजागर किया। वैसे भी दिल्ली की खराब आबो-हवा और प्रदूषण को लेकर कई बार कोर्ट की भी फटकार लग चुकी है। राहुल ने यमुना नदी के साथ ही प्रदूषण के मुददे को उछालकर आप की चुनावी मिशन को कमजोर किया। राहुल और प्रियंका के साथ ही कांग्रेस के अन्य नेता भी ये जानते थे कि दिल्ली में कांग्रेस की वापसी फिलहाल मुश्किल है लिहाजा रणनीति के तहत दोनों ने आप के खिलाफ हमला बोला।

दरअसल आम आदमी पार्टी एकमात्र ऐसी क्षेत्रीय पार्टी है, जिसने हाल ही में कांग्रेस को दिल्ली और पंजाब में सत्ता से बाहर किया है। सन 2013 में दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की हार एक तरह से पनौती साबित हुई। दिल्ली विधानसभा चुनाव के बाद साल 2014 में आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में विधानसभा चुनाव में भी तेलुगू देशम पार्टी और भारत राष्ट्र समिति ने कांग्रेस को सत्ता से बाहर कर दिया था। दिल्ली की हार के बाद एक के बाद एक कई राज्यों से कांग्रेस सत्ता से बाहर हो गई फिर चाहे वो राजस्थान हो या मध्यप्रदेश या छत्तीसगढ़ या पंजाब। कांग्रेस के लिए आप एक बड़े खतरे के रूप में सामने आ रही थी, ऐसा लग रहा था कि आगामी लोकसभा चुनाव में भी कांग्रेस को भाजपा की बजाए आप से ज्यादा चुनौती मिलेगी लिहाजा कांग्रेस ने आप को दिल्ली में समेटने में ही भलाई समझी।

इधर, भारतीय जनता पार्टी ने मोदी के चेहरे के साथ ही जमीन पर भी बखूबी काम किया। हरियाणा और महाराष्ट्र की तर्ज सघन प्रचार काम आया। इसके अलावा अरविंद केजरीवाल के बार-बार वादों से मुकरने के कारण लोगों का भरोसा उन पर से कम हुआ। यमुना नदी साफ करने, हर घर चैबीसो घंटे पीने का पानी पहुंचाने, दिल्लीवासियों को प्रदूषित हवा से मुक्ति दिलाने जैसे बड़े लुभावने वादे वे पूरे नहीं कर पाए। एक तरफ वे दिल्ली की बदहाली के लिए उपराज्यपाल पर ठीकरा फोड़ते रहे तो दूसरी तरफ वो लोगों से दिल्ली के विकास का वादा करते रहे। इस विरोधाभास का भी खासा असर मतदाताओं पर हुआ। केजरीवाल की फ्री स्कीम पर भाजपा ने नहले पर दहला मारा। 2025 के दिल्ली विधानसभा चुनाव के घोषणा पत्र में बीजेपी ने साफ कर दिया कि वह सत्ता में आई तो भी केजरीवाल सरकार की किसी भी फ्री स्कीम को खत्म नहीं करेगी। भाजपा ने एक कदम आगे बढ़कर महिलाओं को हर महीने आप के 2,100 रुपये की जगह 2,500 रुपये देने का वादा कर दिया। केंद्र में आसीन मोदी सरकार ने दिल्ली विधानसभा चुनाव में मतदान से ठीक चार दिन पहले पेश हुए बजट में 12 लाख रुपये तक की सालाना आय को टैक्स फ्री करने की घोषणा करके मिडल क्लास वोटरों को साध लिया। इसका असर भी दिल्ली चुनावों पर पड़ा। भाजपा की जीत की अहम वजह ये भी रही कि जो मतदाता लोकसभा में भाजपा को विधानसभा में आप को वोट देते थे उन्हें विधानसभा चुनाव में आप को वोट देने के लिए मनाने की कोशिश की गई और इन सबका नतीजा बीजेपी की जीत के रूप में सामने आ गया।

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल खुद चुनाव हार गए। केजरीवाल को हराने वाले प्रवेश वर्मा मध्यप्रदेश के धार जिले के दामाद हैं। मालूम हो कि प्रवेश वर्मा पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विक्रम वर्मा दामाद हैं। उनकी सास नीना वर्मा धार की विधायक हैं। दिल्ली चुनाव के दौरान विक्रम वर्मा और नीना वर्मा के अलावा धार के कई भाजपा कार्यकताओं ने भी दिल्ली चुनाव में दामाद के लिए चुनाव प्रचार किया था। भाजपा के प्रवेश वर्मा ने अरविंद केजरीवाल को नई दिल्ली सीट से मात दी है। वर्मा को सीएम पद का दावेदार माना जा रहा है। ये भी माना जाता है कि नई दिल्ली सीट से चुनाव जीतता है वह ही मुख्यमंत्री पद का दावेदार होता है। केजरीवाल 2013, 2015 और 2020 में इसी सीट से ही जीतने के बाद मुख्यमंत्री बने थे।

वेलेंटाइन डे : युवा पीढ़ी वास्तविकता को समझें

विजय कुमार जैन

हम भारत की प्राचीन संस्कृति एवं संस्कारों को अंग्रेजों की दूषित संस्कृति एवं संस्कारों के प्रभाव से भूल गये है। अंग्रेजों ने भारत को गुलाम बना कर एक के बाद एक संस्कारों पर कुठाराघात किया। उन्होंने लम्बे समय तक भारत को गुलाम बनाये रखने एवं वेरोकटोक राज करने की योजना देश के युवकों को पथभ्रष्ट करने की बनायी। भारत में गुरुकुल शिक्षा पद्धति को समाप्त करने कांवेन्ट शिक्षा का जाल फैलाया।भारत में सहशिक्षा प्रारंभ करने अंग्रेजों ने सबसे पहले मुंबई, कलकत्ता और मद्रास में विश्व विद्यालय खोले। शिक्षा पद्धति में परिवर्तन कर अंग्रेजों ने युवापीढ़ी को संस्कार हीन बनाने की शुरूआत की।आज की युवा पीढ़ी में अनेक विकृतियां आ गई हैं, उनमें ही एक कुप्रथा वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस है।पाश्चात्य संस्कृति का अंधानुकरण कर भारत में भी 14 फरवरी को हर वर्ष अविवाहित युवक-युवती वेलेंटाइन डे जोर शोर से मनाते हैं। इस दिवस को हिन्दी में प्रेम प्रसंग दिवस कहते हैं। प्रेम, प्यार, स्नेह, ममता गले मिले बिना जीवन अधूरा है।प्यार का मतलब वासना समझना और पूर्ति के लिये निःस्वार्थ प्रेम को तिलांजलि देना जीवन को धूल बनाना है। पाश्चात्य संस्कृति और भारतीय संस्कृति में मूल अंतर है। पाश्चात्य संस्कृति जीवन का उद्देश्य मात्र भौतिक सुख को पाना मानती है। जब तक स्त्री सांसारिक सुख दे तब तक साथ रखो, फिर बदल दो। जबकि भारतीय संस्कृति मानव जीवन का उद्देश्य चार पुरुषार्थ को पूर्ण करना मानती है। ये चार पुरुषार्थ धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष बताये हैं। समाधिस्थ दिगम्बर जैन आचार्य संत शिरोमणि विद्या सागर जी महाराज एवं उनके परम प्रिय शिष्य मुनि पुंगव सुधा सागर जी महाराज के आशीर्वाद से ऐलक धैर्य सागर जी के संयोजन में लव केमिस्ट्री पुस्तक का प्रकाशन हुआ है। पुस्तक में विस्तार से उल्लेख किया है वेलेंटाइन डे या प्रेम प्रसंग दिवस की पाश्चात्य परंपरा कैसे प्रारंभ हुई। आज से लगभग 1600 वर्ष पूर्व रोम में वेलेंटाइन नाम के संत हुए जिन्होंने स्त्रियों के दुखी होकर उन्हें पुरुष की दासता से बचाने, प्यार को वासना की गुलामियों से मुक्ति का अभियान चलाया, उन्होंने भारतीय साहित्य पढ़कर भारतीय संस्कृति के संस्कारों का प्रचार शुरू किया। भारतीय जीवन शैली की महत्ता को स्थापित करते हुए प्यार को अमर बनाने बाली विवाह पद्धति के अनुसार हजारों युवक-युवतियों को जो आपस में प्यार करने के नाम पर शारीरक वासना में लिप्त थे, उन्हें जीवन भर साथ रहने का संकल्प कराया।उनका विवाह करवाया। इस तरह उनके नैतिक आचार विचार से प्यार या लव वासना के दल दल अथवा कीचड़ में गिरकर गंदा होने से बच गया था। और जीवन सच्चे प्यार सुखी दाम्पत्य जीवन की सुगंध से महक उठा। रोम के क्रूर अत्याचारी राजा फ्लोडियस को महान संत वेलेंटाइन का यह समाज सुधारक पवित्र कार्य अच्छा नहीं लगा राजा ने वेलेंटाइन को 14 फरवरी सन 498 को फांसी पर चढ़ा दिया। उन हजारों लोगों, वैवाहिक जोड़ों जिनके जीवन में संत वेलेंटाइन की प्रेरणा और सद्प्रयास से समय से दाम्पत्य जीवन में खुशी आई थी,उन्होंने ने अपने अमर प्रेम की सौगात मानकर 14 फरवरी को प्रतिवर्ष उस महान आत्मा को याद करने लगे और यह दिवस को वेलेंटाइन डे बन गया। आज हम वेलेंटाइन डे मनाने के वर्तमान रीति रिवाजों की समीक्षा करें तो पाते है जिस महान संत वेलेंटाइन ने रोम में भारतीय संस्कृति और संस्कारों का अनुशरण कर वैवाहिक पद्धति अपनाने के लिये लाखों युवक-युवतियों को प्रेरित किया। उसी संत के पावन स्मृति दिवस को उन लोगों ने उस दिन का नाम वेलेंटाइन डे दिया। ताकि हर वर्ष उस संत को उसके महान समाज सुधारक कार्य के लिये याद किया जाये। मगर हम देख रहे हैं वेलेंटाइन डे को दुनिया के युवक -युवतियों ने अपने प्यार को मात्र वासना की पूर्ति के लिये 14 फरवरी को प्रेम प्रसंग दिवस बना दिया है। दुनिया के युवक युवतियों का अनुशरण भारत में भी युवा पीढ़ी ने जोर शोर से किया है। 14 फरवरी तो विशेष दिन है । आये दिन बड़े नगरों में नगर निगम नगर पालिका ने बड़े बड़े उद्यान अथवा पार्क आम नागरिकों के लिये विकसित किये हैं, उन पर प्रेमी युगलों ने कब्जा कर लिया ह। वे अपने प्यार के नाम पर वासना की पूर्ति के लिये स्वच्छंद रूप से इन स्थानों पर जाते हैं। प्रेमी युगलों के प्रेमालाप के कारण आम नागरिक इन स्थानों पर नहीं जाते हैं। अगर कोई सैर सपाटा करने इन पार्कों में पहुंच भी जाता है तो प्रेमी अपने प्रेमालाप में दखल मानकर उन्हें अपमानित कर बाहर का रास्ता दिखा देते हैं। एक ओर पाश्चात्य जगत भारतीय संस्कृति अपनाकर सभ्यता और उच्च मानवीय मूल्यों के आदर्शों को स्थापित कर रहा है।और दूसरी ओर भारतीय लोग पाश्चात्य भोग विलास के आकर्षण में फंसकर सामाजिक नैतिक मूल्यों को समाप्त कर जीवन में अशांति और मानसिक तनाव उत्पन्न कर रहे है। भारतीय माता- पिता अपने कुल संस्कारों के अनुसार बेटी का विवाह करते हैं, जिससे बेटी प्यार, सम्मान, सुख, पवित्रता, शांति को प्राप्त कर सके, किन्तु पश्चिमी देशों ने अपने धार्मिक साम्राज्य स्थापना की चाह में भोगवादी अपसंस्कृति की चकाचौंध देकर भारतीय चिंतन को विकृत कर दिया है। भारतीय जीवन मूल्यों को पतनोन्मुखी बना दिया है। लव बनाम वासना का गुलाम बना दिया है। प्राचीन काल में गुरुकुल शिक्षा पद्धति थी, लड़के एवं लड़की अलग अलग गुरुकुल में रहकर शिक्षा प्राप्त करते थे। अंग्रेजों ने भारत पर लम्बे समय तक अपना साम्राज्य स्थापित रखने सबसे पहले प्राचीन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों कोनष्ट करने योजनाबद्ध अभियान चलाया। इसी कार्य योजना अनुसार भारत में सहशिक्षा प्रारंभ की। सहशिक्षा का ही दुष्परिणाम है युवक-युवती समीप आ रहे हैं और वेलेंटाइन डे मनाने जैसे घ्रणित कार्य कर रहे हैं।

देश की रक्षा बहुत जरुरी

संजय गोस्वामी

अमेरिका में अवैध प्रवासी घोषित किए गए 104 भारतीय नागरिकों को भारत वापस भेज दिया गया है। अमेरिकी सेना के खास विमान में इन सभी भारतीयों को अपराधियों की तरह हाथ-पैर बांधकर भारत लाया गया। भारतीय नागरिकों को इस तरह से वापस भेजना भारत में बहस का विषय बना हुआ है। इसी बीच नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास की ओर से बयान जारी किया गया है। यह अमानवीय है खासकर महिलाओ हेतु हथकड़ी उसे पहनाया जाता है जो बहुत ही क्रूर होता है भारत में कितने अवैध तरीके से रह रहें है भारत ऐसा क्यों नहीं करता दरअसल वाईडेन के शासन इतना जुल्मी नहीं था इससे अपने देश की छवि खराब हुई है ऐ मामला सिर्फ भारत का नहीं है और देशों का भी है जो भारत से बहुत ही छोटा है फिर भी अपने नागरिक को अपना विमान भेजकर बापस बुला लिया ऐ डंकी रुट से गए जो अवैध है लेकिन इस तरह कातिल जैसा वर्ताव करना हर भारतीय के लिए पीड़ादाई है आप महाकुम्भ 25 में हजारों करोड़ का बजट लेते है इतना भी पैसा नहीं था कि अपना प्लेन भेज कर बुला लें किसी की हत्या करने तो नहीं गए थे अपने रोजगार के लिए गए थे चूंकि बायडेन अपनी उम्र के कारण नरम रहते थे और सरकार को लगा अमेरिका मेरे सामने क्या है और जब ट्रम्प आए तो सबके होश उड़ गए चूंकि भारत की डिप्लोमेसी गलत है जब रसिया और उक्रेन में युद्ध हो रहा था भारत को तटस्थ नहीं रहना चाहिए था औरपुतिन सरकार को पूरी मदद करनी चाहिए क्योंकि जब देश पर किसी ने हमला किया तो रशिया ही उसकी मदद की वो उक्रेन से युद्ध कर सही या गलत कर रहा ऐ सोचना मेरा काम नहीं लेकिन जब आपके बुरे वक़्त में साथ दे रहा है तो हमें भी उसका साथ देना चाहिए ताकि वक़्त पड़ेगा तो अमेरिका तो मदद करने से रहा अब रशिया भी यह कहकर निकल जायेगा कि हम तटस्थ हैं तब कौन साथ देगा ना तो नाटो का सदस्य है ना हि अपने पास उतनी ताकत है कि किसी भी छोटे देश को हराये क्योंकि छोटे देश की मिलिट्री पावर उतना है नहीं लेकिन उसके पीछे खड़ा होता है कोई चीन ऐसा शक्तिशाली देश, चीन, पाकिस्तान से घिरे थे अब बांग्लादेश भी आँखे दिखा रहा है था ताकत तो वहाँ हो रहे हिन्दू पर हमला को रोकवा सकते थे महाकुम्भ देश के लिए उतना जरुरी नहीं लेकिन देश की एकता अखंडता बहुत जरुरी है देशप्रेम से बढकर कोई पूजा नहीं अपनी मात्र भूमि की रक्षा करना सबसे पहला कर्तव्य है जो दिखती तो नहीं है लेकिन किसी भी देश के आँख दिखाने पर उसका आँख निकालना जरुरी है मैंने पहले भी कई बार लिख चूँका हूँ देश की सेवा, और उसके सम्मान की रक्षा करना पहला कर्तव्य है और जब आपस में ही मतभेद रखेंगें तो इसका फायदा दूसरा देश उठा सकता है अतः भारत को जो रसिया ने मदद किया उसके साथ मिलकर उसको मदद करनी चाहिए भाई बात समझें अगर किसी ने आपका गला दबा दिया और कोई बचाने आता है तो आप थोड़े ना उसके काम से मतलब रखोगे वक़्त में अच्छा और बुरा कोई भी हो हमारी मदद करेगा हम मुकर नहीं सकते उसकी मदद करना चाहिए क्योंकि आज पूर्ण विश्व में दो ही ताकतवर देश है अमेरिका और रशिया।

आज का राशिफल

मेष दिन करियर के मामले में बेहद शुभ है। भाग्य आपका साथ देगा रहेगा। निवेश के लिए दिन अच्छा है।

तुला आज परिश्रम से सफलता मिलेगी और समाज और परिवार से सहयोग मिलेगा।

वृषभ आज दिन करियर में सफलता से भरा होगा। आपको तरक्की प्राप्त होगी।

वृश्चिक आज दिन मिलाजुला रहेगा। अनावश्यक खर्च बढ़ सकते हैं, जिससे चिंता हो सकती है।

मिथुन करियर में मेहनत करने से मनचाही सफलजा प्राप्त होगा। रुके हुए काम पूरे होंगे।

धनु आज दिन लाभदायक है। सामाजिक गतिविधियों में मन लगेगा और सम्मान में वृद्धि होगी।

कर्क दिन करियर में लाभदायक है। हर काम में मनचाही सफलता मिलेगी, जिससे मन प्रसन्न रहेगा।

मकर आज ग्रहों की स्थिति शुभ है। लाभ और तरक्की के योग हैं। निर्णय लेने की क्षमता से लाभ होगा।

सिंह आज दिन लाभदायक है। किसी बहुमूल्य वस्तु की प्राप्ति हो सकती है। शान-शौकत पर खर्च करेंगे।

कुंभ तरक्की वाला है। आगे बढ़ने के नए रास्ते खुलेंगे। नई योजनाओं से भविष्य में लाभ होगा।

कन्या प्रभाव और प्रताप में वृद्धि होगी। शाम के समय कुछ अनचाहा खर्च आ सकता है।

मीन भाग्य साथ देगा। मानसिक शांति मिलेगी और रुके हुए काम में तरक्की होगी। प्रमोशन के योग हैं।

विशेष

भाजपा के सामने इंडिया गठबंधन ढ़ेर

भारतीय जनता पार्टी ने दिल्ली का विधानसभा चुनाव जीत लिया है। संसद का बजट सत्र चल रहा है। कुंभ में भगदड़ मची। सैकड़ो लोग घायल हुए। सरकार ने 30 लोगों के करने का दावा किया। मृतकों की संख्या का आज तक पता नहीं लगा। हजारों लोग कुंभ मेले से गायब हैं। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने इसकी संख्या 15000 से ज्यादा बताई है। उनका कोई अता-पता नहीं है। अमेरिका ने भारतीयों को हथकड़ी-बेडी में सेना के विमान से भारत पहुंचाया। महिलाओं और बच्चों को भी अमेरिका ने नहीं छोड़ा। इंडिया गठबंधन संसद में पूरे उफान पर था। दिल्ली विधानसभा के चुनाव परिणाम ने उफान की हवा निकाल दी। जैसे ही दिल्ली विधानसभा के चुनाव परिणाम आए। उसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा की खुशी देखने लायक है। इंडिया गठबंधन के नेता मुंह छिपाते नजर आ रहे हैं। जो सोचते हैं, वह होता नहीं है। जो हो जाता है, उसे सोच भी नहीं पाते हैं।

मनोज तिवारी का खुलेगा भाग्य, बनेंगे दिल्ली के मुख्यमंत्री

बिहार फिल्म के अभिनेता मनोज तिवारी का दिल्ली का मुख्यमंत्री बनना तय है? इस साल के अंत में बिहार में चुनाव होने हैं। दिल्ली चुनाव में पूर्वोत्तर के मतदाताओं ने दिल्ली की सत्ता भाजपा के हाथों सौंपी है। मनोज तिवारी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष रह चुके हैं। चुनाव में उन्होंने बढ़-चढ़कर भाग लिया है। दिल्ली फतह हो गया है, अब बिहार को फतह करना है। दिल्ली दरबार की खबरों के अनुसार भाजपा हाई कमान मनोज तिवारी को मुख्यमंत्री बनाने का निर्णय जल्द ले सकता है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1495 इंग्लैंड में सर विलियम स्टैनली को मौत के घाट उतारा गया. 1763 पेरिस संधि के तहत फ्रांस ने कनाडा ब्रटेन को दे दिया. 1811 रूसी सैनिकों ने बेलग्रेड पर कब्जा किया. 1817 ब्रिटेन, प्रसिया, आस्ट्रिया और रूस ने फ्रांस से अपनी फौजें हटाने की घोषणा की. 1828 दक्षिण अमरीकी क्रांतिकारी साइमन बोलिवार कोलंबिया के शासक बने. 1848 फडीनांड प्रथम ने नया संविधान लागू किया. 1890 रूसी लेखक बोरिस पेस्टरनाक का जन्म. 1921 काशी विद्यापीठ का उद्घाटन गांधीजी ने किया. 1931 नई दिल्ली का विधिवत उद्घाटन हुआ. 1939 जापानी सैनिकों ने हेनान द्वीप,चीन पर अधिकार कर लिया. 1943 द्वितीय विश्व युद्ध में ब्रिटिशसैनिक ट्यूनिशिया की सीमा पर पहुंचे. 1969 पश्चिम बर्लिन यात्रा पर जर्मन प्रतिबंध को अमरीका, ब्रिटेन और फ्रांस ने अस्वीकार कर दिया. 1974 इराक ने सीमा संघर्ष में 70 ईरानी सैनिकों को मारने का दावा किया.

दैनिक पंचांग

10 फरवरी 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मकर में	कुंभ	06.48 बजे से
चंद्र	मिथुन में	मीन	08.21 बजे से
मंगल	मिथुन में	मेष	09.51 बजे से
बुध	मकर में	वृष	11.31 बजे से
गुरु	वृष में	मिथुन	13.30 बजे से
शुक्र	मीन में	कर्क	15.43 बजे से
शनि	कुंभ में	सिंह	17.59 बजे से
राहु	मीन में	कन्या	20.11 बजे से
केतु	कन्या में	तुला	22.22 बजे से
राहुकाल	7.30 से 9.00 बजे तक	वृश्चिक	00.36 ब.से
		धनु	02.52 बजे से
		मकर	04.58 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 41 वा दिन
दिशाशूल पूर्व **ऋतु** शिशिर।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास माघ
पक्ष शुक्ल
तिथि त्रयोदशी 18.58 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुनर्वसु 18.01 बजे को समाप्त।
योग प्रीति 10.27 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.09 बजे तदनन्तर तैतिल 18.58 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.5 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 14° 20'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872251
जूलियन दिन 2460716.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना शाबान
तारीख 11

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता का मील का पत्थर किया हासिल

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने शुक्रवार को कहा, स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति राष्ट्र की प्रतिबद्धता के प्रमाण के रूप में, भारत ने 100 गीगावाट स्थापित सौर ऊर्जा क्षमता को पार करके एक ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल किया है। इससे अक्षय ऊर्जा में ग्लोबल लीडर के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है।

31 जनवरी तक, भारत की कुल स्थापित सौर क्षमता 100.33 गीगावाट है, जिसमें 84.10 गीगावाट कार्यान्वयन के अधीन है और अतिरिक्त 47.49 गीगावाट निविदा के अधीन है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रहलाद जोशी ने कहा, ÷पिछले 10 वर्षों में भारत की ऊर्जा यात्रा ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही है। सौर पैनल, सौर पार्क और रूफटॉप सौर परियोजनाओं जैसी पहलों ने क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं।÷ केंद्रीय मंत्री ने जोर देकर कहा, ÷परिणामस्वरूप, आज भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य सफलतापूर्वक हासिल कर लिया है। ग्रीन एनर्जी के क्षेत्र में भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि दुनिया को एक नई राह भी दिखा रहा है।÷

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना छत पर सौर ऊर्जा को एक घरेलू वास्तविकता बना रही है और यह स्थायी ऊर्जा में एक गेम-चेंजर है, जो हर घर को स्वच्छ ऊर्जा से सशक्त बनाती है। 2024 में शुरू की गई यह योजना 9 लाख छत पर सौर ऊर्जा प्रतिष्ठानों के करीब है, जिससे देश भर के घरों को स्वच्छ ऊर्जा समाधान अपनाने में मदद मिलेगी।

एक हफ्ते में फैसला कीजिए, एनसीएलटी को बायजू-बीसीसीआई मामले में मिला निर्देश

अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) को निर्देश दिया है कि वह एडुटेक कंपनी बायजू के खिलाफ दिवाला मामले के निपटारे और वापसी के लिए भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड (बीसीसीआई) की याचिका पर एक सप्ताह के भीतर फैसला करे। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण के न्यायमूर्ति राकेश कुमार जैन और न्यायमूर्ति जतिन्द्रनाथ स्वैन वाली दो सदस्यीय पीठ ने एनसीएलटी को यह निर्देश दिया है।

एनसीएलएटी ने कहा कि वह ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बायजू के ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) में बहाल करने के न्यायाधिकरण के पिछले आदेश के खिलाफ रिजु रवींद्रन द्वारा दायर याचिका का निपटारा करे। एनसीएलएटी ने कहा कि एनसीएलटी को निर्देश दिया जाता है कि वह आवेदन पर, अधिमानतः एक सप्ताह के भीतर निर्णय ले। हालांकि, एनसीएलएटी की चेन्नई पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने तथ्यों पर कोई टिप्पणी नहीं की है।

आदेश को दी गई चुनौती– बायजू के पूर्व प्रवर्तक और बायजू रवींद्रन के भाई रिजु रवींद्रन ने एनसीएलटी की बेंगलुरु पीठ के आदेश को चुनौती दी है, जिसने 29 जनवरी को फर्म के समाधान पेशेवर के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्यवाही का निर्देश दिया था और कंपनी की ऋणदाताओं की समिति से ग्लास ट्रस्ट और आदित्य बिड़ला फाइनेंस को बाहर करने के उनके निर्देश को रद्द कर दिया था। बता दें कि एनसीएलटी ने भारतीय दिवाला एवं ऋणशोधन अक्षमता बोर्ड (आईबीबीआई) को बायजू की मूल कंपनी थिंक एंड लर्न के समाधान पेशेवर पंकज श्रीवास्तव के खिलाफ जांच करने का निर्देश दिया था।

सेमीकंडक्टर का किंग बनेगा भारत!

नई दिल्ली, एजेंसी। सेमीकंडक्टर सेक्टर में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। अगले 5 साल में भारत में इस मार्केट की तस्वीर बदलने जा रही है। इतने समय में भारत सेमीकंडक्टर मार्केट का किंग बन सकता है। भारत के बढ़ते कदम से इस सेक्टर के अभी तक धाक जमाए बैठे अमेरिका और चीन को कड़ी टक्कर मिलेगी।

सेमीकंडक्टर छोटे इलेक्ट्रॉनिक पुर्जे होते हैं। ये कंप्यूटर, मोबाइल और दूसरे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में इस्तेमाल होते हैं। भारत में इनकी बढ़ती मांग से नौकरियों के नए अवसर भी पैदा होंगे।

कितना हो जाएगा मार्केट?– भारत का सेमीकंडक्टर मार्केट अगले पांच वर्षों में 103.4 अरब डॉलर (90 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा) तक पहुंचने वाला है। यह एक बहुत बड़ी रकम है। इसका मतलब है कि भारत में सेमीकंडक्टर की मांग बहुत ज्यादा बढ़ेगी।

इंडियन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड सेमीकंडक्टर एसोसिएशन की इंडिया सेमीकंडक्टर मार्केट रिपोर्ट 2030 में यह जानकारी दी गई है।

इस बढ़ते बाजार से 400 अरब डॉलर से ज्यादा के इलेक्ट्रॉनिक्स मार्केट को भी ताकत मिलेगी।

साल 2024-25 में भारत में सेमीकंडक्टर की खपत 52 अरब डॉलर की थी। अब 2030 तक इस मार्केट के 13 प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ने की उम्मीद है। मतलब हर साल यह मार्केट पहले से 13 प्रतिशत बड़ा होता जाएगा।

इन सेक्टर में भी बढ़ेंगी संभावनाएं– ऑटोमोबाइल और इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे सेक्टर में काफी संभावनाएं हैं। लेकिन मोबाइल फोन, आईटी और औद्योगिक उपयोग अभी भी सबसे ज्यादा कमाई वाले सेक्टर हैं। इन तीनों से लगभग 70 प्रतिशत कमाई होती है।

आईईएसए के अध्यक्ष अशोक चंदक ने कहा, सरकारी नीतियां सेमीकंडक्टर के डिजाइन और निर्माण को बढ़ावा देने में बड़ी भूमिका निभाएंगी। सरकार की फैब और ओएसएटी के लिए प्रोत्साहन योजनाएं, आरएंडडी में निवेश और उद्योगों के बीच सहयोग भारत के सेमीकंडक्टर क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मदद करेंगे। पिछले साल कंपनियों ने 21 अरब डॉलर से ज्यादा के प्रोजेक्ट में निवेश का वादा किया है।

रिपोर्ट में दिए गए सुझाव

रिपोर्ट में भारत के सेमीकंडक्टर लक्ष्यों को हासिल करने के लिए कुछ सुझाव भी दिए गए हैं। इसमें इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन को 10 अरब डॉलर के शुरुआती बजट से आगे बढ़ाने और डीएलआई योजना में कुछ बदलाव करने की बात कही गई है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि इलेक्ट्रॉनिक्स मैन्युफैक्चरिंग पीएलआई के तहत 2025-26 तक 25 प्रतिशत और 2030 तक 40 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों का इस्तेमाल करने का लक्ष्य रखना चाहिए। इससे देश में ही ज्यादा सामान बनेगा और रोजगार भी बढ़ेगा। यह सेमीकंडक्टर सेक्टर के विकास के लिए बहुत जरूरी है।

क्या है चीन और अमेरिका की स्थिति?

अभी सेमीकंडक्टर के सेक्टर में अमेरिका और चीन का दबदबा है। साल 2023 में अमेरिका का सेमीकंडक्टर मार्केट करीब 67 अरब डॉलर का था। इसके साल 2029 में 131 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद है। वहीं साल 2023 में चीन का सेमीकंडक्टर मार्केट करीब 180 अरब डॉलर है। यह साल 2029 तक 280 अरब डॉलर पहुंच सकता है।

आम लोगों को लगेगा झटका

बिस्किट से लेकर फोन टैरिफ हो सकते हैं महंगे, कंपनियों का संकेत- कीमतें बढ़ाना मजबूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर में भारी राहत और कर्ज पर किस्त कम होने की उम्मीदों के विपरीत आम लोगों को झटका लग सकता है। बिस्किट से लेकर फोन टैरिफ महंगे हो सकते हैं। दोनों क्षेत्रों की दो बड़ी कंपनियों ने इस तरह का संकेत दिया है।

ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज ने कहा, वह चालू वित्त वर्ष के अंत तक उत्पादों की कीमतों में 4.5 फीसदी तक की बढ़ोतरी कर सकती है। वाइस चेयरमैन वरुण बेरी ने हाल में कंपनी के तीसरी तिमाही के परिणाम के दौरान निवेशकों से कहा, हर कंपनियां बहुत देर से मूल्य वृद्धि करती हैं। हर किसी को यह बात याद आ रही है कि यह महंगाई दूर होने वाली नहीं है। कच्चे सामग्रियों की कीमतें अभी भी ऊंची हैं, जिससे कंपनी के मार्जिन पर असर पड़ रहा है। बेरी के अनुसार, मूल्य समायोजन निरंतर मुद्रास्फीति के माहौल के बीच किया गया है, जिसमें खाद्य महंगाई ऊंची बनी हुई है। चालू तिमाही में आप देखें तो खाद्य महंगाई दो अंकों से ऊपर ही रही है। अनाज की कीमतें 6.5 प्रतिशत, तेल-वसा लगभग 15 प्रतिशत, और सब्जियां व फल 9 फीसदी या इससे भी ज्यादा महंगे हुए हैं। इस वजह से सभी उत्पादों की कीमतों पर असर पड़ रहा है। इसलिए इसका कुछ भार ग्राहकों पर भी डालना होगा। दिसंबर तिमाही में कंपनी ने दो फीसदी तक कीमतें बढ़ाई थी, जिससे राजस्व 100 करोड़ रुपये बढ़ गया था।

कमोडिटी की बढ़ती कीमतों से एफएमसीजी कंपनियां परेशान– कमोडिटी की कीमतों में अस्थिरता के चलते फास्ट-मूविंग कंज्यूमर गुड्स (एफएमसीजी) कंपनियां परेशान हैं। साबुन, शैंपू, डिटर्जेंट, सौंदर्य प्रसाधन और खाद्य उत्पादों में उपयोग किए जाने वाले कच्चे पाम तेल के दामों में ज्यादा वृद्धि हुई है। एचयूएल का कहना है कि दिसंबर तिमाही में पाम तेल की कीमतें सालाना आधार पर 40 फीसदी तक बढ़ी हैं। चाय की कीमतें 24 प्रतिशत बढ़ीं।

संजय कुमार अग्रवाल का बड़ा दावा

आयात शुल्क में कटौती के बाद सोने की तस्करी में आई उल्लेखनीय कमी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार की तरफ से जुलाई, 2024 में बहुमूल्य धातु पर आयात शुल्क में कटौती के बाद से सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है। अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने यह बात कही है। सरकार ने जुलाई, 2024 में सोने पर आयात शुल्क घटाकर छह प्रतिशत किया गया था। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, सीमा शुल्क और डीआरआई अधिकारियों ने चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की अवधि में देश के विभिन्न हवाई अड्डों पर 544 करोड़ रुपये मूल्य का 847 किलोग्राम सोना जब्त किया है। बता दें कि, जुलाई में, सरकार ने सोने पर सीमा शुल्क 15 प्रतिशत से घटाकर छह प्रतिशत कर दिया था।

जब्त किए गए सोने की मात्रा का नहीं किया खुलासा– संजय कुमार अग्रवाल ने पीटीआई के साथ साक्षात्कार में कहा, पिछले साल के बजट में सोने पर शुल्क की दर कम किए जाने के बाद सोने की तस्करी में उल्लेखनीय कमी आई है। हालांकि, उन्होंने जब्त किए गए सोने की मात्रा या मूल्य का खुलासा नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी भी मार्ग से मादक पदार्थों की तस्करी को रोकने के लिए अंतरराष्ट्रीय यात्री यातायात, सीमाओं और देश में आने वाले वाणिज्यिक कार्गो पर नियमित निगरानी रख रहे हैं।

भारत में हवाई मार्ग के जरिए होती है सोने की तस्करी

भारत में हवाई मार्ग के माध्यम से सोने की तस्करी एक प्रमुख माध्यम है। पश्चिम एशियाई और दक्षिण पूर्व एशियाई देश पारंपरिक रूप से इसके मुख्य उद्गम स्थल रहे हैं। हाल ही में नैरोबी और अदीस अबाबा जैसे अफ्रीकी हवाई अड्डे, साथ ही ताशकंद जैसे हवाई अड्डे भी तस्करी के के लिए प्रमुख स्थान बनकर उभरे हैं।

अकेले डीआरआइ ने 1,319 किग्रा सोना किया जब्त

तस्करी, सीमा शुल्क या आयात या निर्यात प्रतिबंधों से बचने के लिए राष्ट्रीय सीमाओं के पार माल की गुप्त आवाजाही है। यह आमतौर पर तब होता है जब सीमा शुल्क इतना अधिक होता है कि तस्कर ऐसे उत्पादों को चोरी-छिपे लाकर अधिक लाभ कमा सकते हैं। सीबीआईसी के तहत राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) भारत में तस्करी-रोधी क्षेत्र में भारतीय सीमा शुल्क की शीर्ष एजेंसी है। वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान, अकेले डीआरआई अधिकारियों ने 1,319 किलोग्राम सोना जब्त किया था।

यह 2023-24 में सीमा शुल्क अधिकारियों सहित सीबीआईसी की तरफ से जब्त किए गए 4,869.6 किलोग्राम सोने का हिस्सा है। वर्ष के दौरान सीबीआईसी द्वारा 1,922 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। दिसंबर में जारी डीआरआई की भारत में तस्करी पर रिपोर्ट के अनुसार, भारत अवैध सोने के आयात का एक प्रमुख गंतव्य बन गया है। इसमें सोना और चांदी मुख्य रूप से संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों से आते हैं, जहां ये धातुएं कम कीमतों पर उपलब्ध हैं।

पंजीकृत कंपनियों में प्रशासन को बेहतर बनाने की कोशिश, सेबी ने पेश किया अहम प्रस्ताव

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार विनियामक संस्था सेबी ने पंजीकृत फर्म्स में कॉरपोरेट प्रशासन को बेहतर करने के लिए एक सचिवीय अनुपालन रिपोर्ट प्रारूप, लेखा परीक्षकों की नियुक्ति के लिए पात्रता मानदंड और संबंधित पक्ष लेनदेन (आरपीटी) अनुमोदन के लिए मौद्रिक सीमा को शामिल करने का प्रस्ताव दिया है। सेबी के इस प्रस्ताव का उद्देश्य पंजीकृत फर्म्स में प्रतिस्पर्धा और पारदर्शिता कायम रखना है।

सेबी ने वार्षिक सचिवीय अनुपालन रिपोर्ट के प्रारूप में कुछ बदलाव प्रस्तावित किए हैं, जिससे प्रतिभूति कानून का अनुपालन सुनिश्चित हो सके। प्रस्ताव में कॉर्पोरेट प्रशासन प्रमाणन और सचिवीय लेखा परीक्षक रिपोर्ट से संबंधित छूट के लिए सुझाव दिए गए हैं। प्रस्तावों में एएससीआर को वार्षिक रिपोर्ट का अनिवार्य हिस्सा बनाना भी शामिल है। भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने प्रस्तावों पर 28 फरवरी तक सार्वजनिक टिप्पणियां मांगी हैं।

वित्तीय ट्रैक रिकॉर्ड के बिना सहायक कंपनियों के लिए, सीमा सहायक कंपनी की निवल संपत्ति का 10 प्रतिशत होगी, जिसे चार्टर्ड अकाउंटेंट द्वारा प्रमाणित किया जाएगा, या समान मौद्रिक सीमा होगी। नकारात्मक निवल संपत्ति के मामले में, इसके बजाय शेयर पूंजी और प्रतिभूति प्रीमियम पर विचार किया जाएगा। यह दोनों प्रकार की सहायक कंपनियों के लिए सीमा में एकरूपता सुनिश्चित करता है। साथ ही, सेबी ने आरपीटी की परिभाषा को स्पष्ट करने का प्रस्ताव दिया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सूचीबद्ध संस्थाओं की सहायक कंपनियों से जुड़े लेन-देन आरपीटी मानदंडों के अनुरूप हों।

फाइनेंस इंफ्लुएंसर्स पर सेबी की कार्रवाई

भारत में बाजार नियामक संस्था सेबी ने छह कथित वित्तीय सलाहकार निकायों को प्रतिबंधित कर दिया है। जिन निकायों पर प्रतिबंध लगाया गया है, उनमें अस्मिता पटेल ग्लोबल स्कूल और फाइनेंस इंफ्लुएंसर अस्मिता पटेल का नाम भी शामिल है। इन निकायों पर आरोप हैं कि इन्होंने बिना पंजीकरण कराए लोगों को निवेश सलाह दी और इन सेवाओं के जरिए इन निकायों ने 53 करोड़ रुपये से ज्यादा की रकम जुटाई। सेबी ने गुरुवार को इन फाइनेंस इंफ्लुएंसर्स अस्मिता ग्लोबल स्कूल ऑफ ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड, अस्मिता जिंदल पटेल, जितेश जेठालाल पटेल, किंग ट्रेडर्स, जैमिनी एंटरप्राइजेज, यूनाइटेड एंटरप्राइजेज को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था।

सिर्फ 60 सेकेंड में शार्क टैंक के जजों को कर दिया हक्का-बक्का, झटक ली 50 लाख रुपये की डील

नई दिल्ली, एजेंसी। सिर्फ 23 साल की ईशा झावर रिपीट गुड नाम के वीगन सॉस ब्रांड की संस्थापक हैं। उन्होंने शार्क टैंक इंडिया 4 में 50 लाख रुपये की डील झटकी है। शार्क टैंक के जजों (शार्क्स) को अपने 60 सेकेंड के इंट्रोडक्शन से उन्होंने हक्का-बक्का कर दिया। इस दौरान उन्होंने खुद को चीफ एवरीथिंग ऑफिसर बताया। इस चीज ने सभी को प्रभावित किया। ईशा झावर ने बताया कि कैसे स्वास्थ्य समस्याओं ने उन्हें पौष्टिक सॉस बनाने के लिए प्रेरित किया। उनका ब्रांड रिपीट गुड वीगन फ्रेंडली सॉस बनाता है। यह स्वास्थ्य के प्रति जागरूक लोगों के लिए बेहतर विकल्प है। ईशा ने बड़े आत्मविश्वास से कहा कि उनका लक्ष्य रिपीट गुड को हेल्दी सॉस का वीबा बनाना है। टेस्टिंग सेशन यानी सॉस चखने के दौरान नमिता थापर और अमन गुप्ता ने वीबा के संस्थापक विराज बहल के साथ मजाक किया।

ईशा ने बताई अपनी कहानी

ईशा ने बताया कि कैसे सॉस के प्रति उनके प्रेम ने उन्हें स्वास्थ्य समस्याओं में डाल दिया। उन्होंने कहा, मैं एक स्टूडेंट थी और मुझे रोटी या ब्रेड सिर्फ सॉस के साथ खाने की लत लग गई थी। मैं बहुत बीमार पड़ गई, मुझे किडनी स्टोन हो गया और मैं अस्पताल में भर्ती हो गई। कोई हेल्दी विकल्प नहीं थे। तभी मैंने अपना खुद का सॉस बनाने का फैसला किया - हमारा मेयो काजू के दूध से बनता है और पूरी तरह से वीगन है।

महंगाई काबू में रही, तो अप्रैल तक ब्याज दरों में एक और कटौती कर सकता रिजर्व बैंक, एसबीआई का बयान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने कहा कि अगर महंगाई का रुझान अनुकूल बना रहता है, तो अप्रैल तक रिजर्व बैंक (आरबीआई) ब्याज दरों में एक और कटौती कर सकता है। एसबीआई के मुताबिक, रिजर्व बैंक ने पिछले एक साल में महंगाई को काबू में करने और आर्थिक विकास को बनाए रखने के लिए अपनी नीति को मजबूती से लागू किया है।

आरबीआई ने माना है कि खाद्य महंगाई एक महत्वपूर्ण वजह बनी हुई है, लेकिन इसके सकारात्मक संकेत भी मिल रहे हैं, जैसे कि खड़ी फसला का अच्छा उत्पादन और सब्जियों की कीमतों में कमी। हालांकि, मौसम में उतार-चढ़ाव जैसे जोखिम भी बने हुए हैं।

आरबीआई की नीति में सबसे महत्वपूर्ण बिंदु यह था कि उसने महंगाई लक्ष्य निर्धारण में लचीलेपन (एफआईटी) पर जोर दिया। एफआईटी नियमों और निर्णयों का एक मिश्रण है, जो तय करता है कि महंगाई काबू में रहे और आर्थिक स्थितियों के आधार पर यह नीति बदलती रहे। केंद्रीय बैंक ने कहा कि सरकारी सुरक्षा पत्रों (गवर्नमेंट सिक्योरिटीज) के लिए अब नए समझौते किए जाएंगे, जिससे इनकी कीमत का सही अनुमान लगाना और इन्हें आसानी से खरीदना-बेचना संभव होगा। साथ ही, नकद के अलावा इनकी भौतिक रूप से इनकी अदला-बदली भी की जा सकेगी, जिससे बांड ट्रेडिंग और भी प्रभावी हो जाएगी।

आरबीआई ने वित्तीय वर्ष 2025 के लिए महंगाई का अनुमान 4.8 फीसदी बरकरार रखा है, जबकि चौथी तिमाही में महंगाई 4.4 फीसदी तक रहने का अनुमान है। वित्त वर्ष 2026 के महंगाई 4.2 फीसदी रहने का अनुमान है। इसको ध्यान में रखते हुए आरबीआई ने तरलता कवरेज अनुपात (एलसीआर), अपेक्षित ऋण हानि (ईसीएल) और प्रावधान दिशानिर्देशों के लिए मसौदा मानदंडों के क्रियान्वयन को टाल दिया है।

कंप्यूटर इंजीनियर ने नौकरी छोड़ शुरू किया अपना काम, अब 23 करोड़ का सालाना टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के दीपक राज तुषीर ने 10 साल कॉर्पोरेट नौकरी करने के बाद डेयरी फार्मिंग में कदम रखा। वह कंप्यूटर इंजीनियर हैं। न्यूजीलैंड की तकनीक अपनाकर उन्होंने 500 से ज्यादा पशुओं वाला डेयरी साम्राज्य खड़ा किया है। इसका सालाना टर्नओवर 23 करोड़ रुपये है। दीपक ने अपने गांव के विकास में योगदान देने के लिए यह कदम उठाया। उन्होंने अपने दो साथी कंप्यूटर इंजीनियरों और दो न्यूजीलैंड के किसानों के साथ मिलकर बिंसर फार्म्स की स्थापना की। शुरुआती चुनौतियों का सामना करते हुए दीपक ने आधुनिक तकनीक और डेटा विश्लेषण का इस्तेमाल करके अपने व्यवसाय को सफल बनाया। वह अब दूध के अलावा कई तरह के डेयरी उत्पाद भी बेचते हैं। साथ ही स्थानीय किसानों की भी मदद करते हैं।

नौकरी छोड़ डेयरी फार्मिंग शुरू की – दीपक राज तुषीर सोनीपत, हरियाणा के जंती खुर्द गांव के रहने वाले हैं। कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और एमबीए की पढ़ाई के बाद उन्होंने विप्रो में 10 साल तक काम किया। लेकिन, अपने गांव और खेती के प्रति लगाव के कारण दीपक ने 2012 में नौकरी छोड़कर डेयरी फार्मिंग शुरू करने का फैसला किया। उनका लक्ष्य सिर्फ मुनाफा कमाना नहीं था। अलबत्ता, एक ऐसा स्थायी कृषि मॉडल बनाना था जिससे समुदाय को भी फायदा हो। इस काम में उनके साथ दो और कंप्यूटर इंजीनियर पंकज नवाणी और सुखविंदर सराफ और दो न्यूजीलैंड के किसान भी शामिल हुए। सभी के साथ मिलकर बिंसर फार्म्स की नींव रखी।

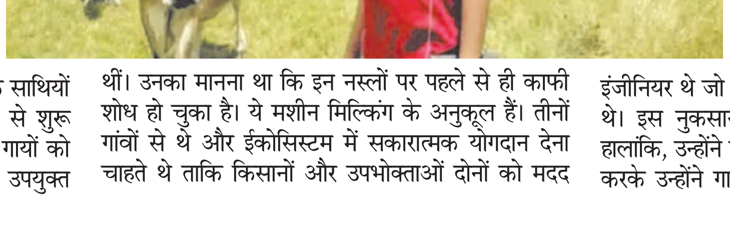

बहुत छोटी थी शुरुआत – दीपक और उनके साथियों ने डेयरी फार्मिंग का काम एक साल की बछिया से शुरू किया। उन्होंने ॥स्न, जर्सी और भारतीय नस्लों की गायों को चुना, क्योंकि ये मशीन से दूध निकालने के लिए उपयुक्त थीं। उनका मानना था कि इन नस्लों पर पहले से ही काफी शोध हो चुका है। ये मशीन मिल्किंग के अनुकूल हैं। तीनों गांवों से थे और ईकोसिस्टम में सकारात्मक योगदान देना चाहते थे ताकि किसानों और उपभोक्ताओं दोनों को मदद मिले। क्वालिटी दूध को लेकर शहर में उनका अनुभवों अच्छा नहीं रहा था। इसी ने उन्हें अपना डेयरी फार्म शुरू करने के लिए प्रेरित किया।

शुरुआत में चुनौतियों का किया सामना – शुरुआत में दीपक और उनके साथियों को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। 50 गायों में से 15 बीमारियों के कारण मर गईं। लोग उनका मजाक उड़ाते थे। कारण था कि उन्हें खेती का कोई अनुभव नहीं था। मवेशी खरीदना अपने आप में एक चुनौती थी। वे कंप्यूटर इंजीनियर थे जो नए क्षेत्र में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे। इस नुकसान ने उन्हें सोचने पर मजबूर कर दिया। हालांकि, उन्होंने हार नहीं मानी। अपने ढ्रुञ्ज ज्ञान का इस्तेमाल करके उन्होंने गायों का वजन और लैब टेस्ट कराना शुरू किया। उन्होंने पाया कि स्वस्थ गायों का वजन अच्छा होता है, जबकि कम वजन वाली गायें बीमार रहती हैं। डेटा मैनेजमेंट के जरिए वे बीमारियों का जल्दी पता लगाकर इलाज कराने लगे।

आज हजारों लीटर दूध की बिक्री – दीपक और उनके साथियों ने अच्छी नस्ल के लिए विदेशों से सीमेन मंगवाया। इससे उनके पशु ज्यादा स्वस्थ और दूध देने वाले हुए। शुरुआत में उन्हें दूध का उचित दाम नहीं मिल पाता था। प्रति लीटर केवल 18-19 रुपये मिलते थे। इस समस्या से निपटने के लिए उन्होंने दूध को बोतलों में पैक करना शुरू किया। गुणवत्तापूर्ण दूध की मांग बढ़ने लगी और उनकी बिक्री 4-10 लीटर प्रतिदिन से बढ़कर 7,000-8,000 लीटर प्रतिदिन हो गई। आज बिंसर फार्म्स अपने ऐप के जरिए कई तरह के डेयरी उत्पाद बेचता है। इनमें मक्खन, फ्लेवर्ड दूध, लस्सी, दही, पनीर और घी शामिल हैं।

आयरलैंड के दिग्गज मुक्केबाज जॉन कूनी का निधन, हाल ही में गंवाया था सुपर फेदरवेट खिताब

बेलफास्ट, एजेंसी। खेल जगत से रविवार को एक दुखद खबर सामने आई है। आयरलैंड के प्रसिद्ध मुक्केबाज जॉन कूनी का नाथन हॉवेल्स के खिलाफ सेल्टिक सुपर–फेदरवेट खिताब हारने के एक हफ्ते बाद निधन हो गया है। उन्हें मुकाबले के बाद आईसीयू में रखा गया था। आयरलैंड के 28 वर्षीय

मुक्केबाज कूनी की मौत की पुष्टि उनके प्रमोटर मार्क डनलप द्वारा कूनी परिवार और उनकी मंगेतर एमालीन की ओर से प्रकाशित एक बयान में की गई। बयान में कहा गया, अपने जीवन के लिए एक सप्ताह तक संघर्ष करने के बाद जॉन कूनी का निधन हो गया। वह एक बहुत प्यारा बेटा, भाई तथा साथी था और हम सभी को यह भूलने में जीवन भर लग जाएगा कि वह कितना खास था। भगवान आपकी आत्मा को शांति दे जॉन द किड कूनी। उल्सटर हॉल में हॉवेल्स के साथ कूनी का मुकाबला नौवें दौर में रोक दिया गया था। बाद में कूनी की सर्जरी की गई थी।

नेशनल गेम्स राउंड अपः

ट्रैक एवं फील्ड एथलीटों ने बटोरीं सुर्खियां, कुजूर ने 100 मी में स्वर्ण पदक जीता

देहरादून, एजेंसी। सेना ने शनिवार को तीन स्वर्ण पदक जीते और 71 पदक (42 स्वर्ण, 16 रजत, 13 कांस्य) के साथ तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इसके बाद कर्नाटक (30 स्वर्ण, 12 रजत, 16 कांस्य) और महाराष्ट्र (25 स्वर्ण, 42 रजत, 46 कांस्य) का स्थान रहा।

ओडिशा के उभरते सितारे अनिमेष कुजूर ने शनिवार को यहां अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी में 38वें राष्ट्रीय खेलों में मीट रिकॉर्ड की बराबरी करते हुए पुरुषों की 100 मीटर दौड़ में स्वर्ण पदक जीता जिसमें शनिवार को ट्रैक और फील्ड एथलीटों ने

सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरीं। एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं के शुरुआती दिन दांव पर लगे 10 स्वर्ण में से महाराष्ट्र और सेना ने दो–दो स्वर्ण जीते, जबकि ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और तमिलनाडु ने एक–एक स्वर्ण जीता।

सेना ने शनिवार को तीन स्वर्ण पदक जीते और 71 पदक (42 स्वर्ण, 16 रजत, 13 कांस्य) के साथ तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इसके बाद कर्नाटक (30 स्वर्ण, 12 रजत, 16 कांस्य) और महाराष्ट्र (25 स्वर्ण, 42 रजत, 46 कांस्य) का स्थान रहा। मध्य प्रदेश 19 स्वर्ण, 13 रजत और 18 कांस्य पदक के साथ चौथे स्थान पर रहा जबकि हरियाणा 18 स्वर्ण, 26 रजत और 28 कांस्य पदक के साथ पांचवें स्थान पर रहा।

पिछले दिन की तुलना में शीर्ष पांच रैंकिंग में कोई बदलाव नहीं हुआ, लेकिन शनिवार को छह स्वर्ण सहित 13 पदकों के साथ उत्तराखंड चार स्थान की छलांग लगाकर छठे स्थान पर पहुंच गया। मेजबान टीम के पास अब कुल 61 पदक (14 स्वर्ण, 22 रजत, 26 कांस्य) हो गए हैं।

बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप

मिश्रित टीम से हटीं स्टार शटलर पीवी सिंधू

नईदिल्ली, एजेंसी। बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत को उपविजेता दक्षिण कोरिया और मकाऊ के साथ कठिन ग्रुप डी में रखा गया है। भारत अपना अभियान 12 फरवरी को मकाऊ के खिलाफ शुरू करेगा जिसके बाद 13 फरवरी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ कड़ा मुकाबला होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने पैर की मांसपेशियों में चोट के कारण चीन में होने वाली बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है जिससे देश की इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में पदक का रंग सुधारने की संभावनाओं को बड़ा झटका लगा है। यह टूर्नामेंट 11 से 16 फरवरी तक किंगदाओ में खेला जाएगा। भारतीय खिलाड़ी अभी गुवाहाटी में ट्रेनिंग शिविर में हिस्सा ले रहे हैं।

सिंधू के अलावा शिविर में लक्ष्य सेन और एचएस प्रणय के साथ-साथ सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की शीर्ष युगल जोड़ी भी हिस्सा ले रही है। यह 29 वर्षीय खिलाड़ी उस भारतीय टीम का हिस्सा

थी जिसने टूर्नामेंट के पिछले सत्र में कांस्य पदक जीता था। सिंधू ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, मैं भारी मन से यह बता रही हूं कि मैं बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप 2025 के लिए टीम के साथ यात्रा नहीं करूंगी। चार फरवरी को गुवाहाटी में ट्रेनिंग के दौरान मुझे अपनी पैर की मांसपेशियों में दर्द महसूस हुआ। अपने देश के लिए पट्टी लगाकर खेलने के प्रयास करने के बावजूद एमआरआई से पता चला है कि मुझे शुरुआत में जितना लगा था चोट के ठीक होने में उससे अधिक समय लगेगा। सिंधू बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में अपना पहला महिला एकल स्वर्ण पदक जीतने के बाद से चोटों से जूझ रही हैं। इस स्टार खिलाड़ी को राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान बाएं पैर में स्ट्रेस फ्रेक्चर हो गया था जिसके कारण वह 2022 में विश्व चैंपियनशिप और विश्व टूर फाइनल सहित सभी शेष प्रतियोगिताओं से बाहर हो गई थी।

बैडमिंटन एशिया मिश्रित टीम चैंपियनशिप में भारत को उपविजेता दक्षिण कोरिया और मकाऊ के साथ कठिन ग्रुप डी में रखा गया है। भारत अपना अभियान 12 फरवरी को मकाऊ के खिलाफ शुरू करेगा जिसके बाद 13 फरवरी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ कड़ा मुकाबला होगा।

राशिद खान की कप्तानी में MI केपटाउन का चमत्कारी प्रदर्शन, बनी एसए20 चैम्पियन

जोहानिसबर्ग, एजेंसी। पिछली दो बार आखिरी स्थान पर रही एमआई केपटाउन ने राशिद खान की कप्तानी में तीसरे सत्र में चमत्कारिक प्रदर्शन करते हुए दो बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप को वांडरर्स पर खेले गए फाइनल में बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर 76 रन से हराकर एस20का खिताब अपने नाम किया।

कैगिसो रबाडा ने जैसे ही 19वें ओवर की चौथी गेंद पर रिचर्ड ग्लीसन को आउट किया, मैदान पर आए 22000 से ज्यादा दर्शकों के बीच एमआई के नीले झंडे लहराते दिखाई देने लगे। पूरा स्टेडियम अपने स्थानीय नायक 'रबाडा रबाडा के शोर से गूंज उठा जिन्होंने 3.4 ओवर में 25 रन देकर चार विकेट लिए। वहीं ट्रेंट बोल्ट ने चार ओवर में सिर्फ नौ रन देकर दो विकेट लिए। जीत के लिए 182 रन का पीछा करते हुए सनराइजर्स 105 रन पर आउट हो गए। पिछले दो मैचों में जोबर्ग सुपर किंग्स और पार्ल रॉयल्स पर लगातार जीत दर्ज करके आई एडेन माक्ररम की टीम उस लय को कायम नहीं रख सकी और टॉम एबेल (30) और टोनी डि जोर्जी (26) को छोड़कर उनका कोई बल्लेबाज नहीं चल सका। एमआई के स्पिनर जॉर्ज लिंडे ने चार ओवर में 20 रन देकर दो विकेट चटकाए।

पिछले साल टी20 विश्व कप में अफगानिस्तान को सेमीफाइनल तक ले जाकर क्रिकेट जगत को चौंकाने वाले दिग्गज लेग स्पिनर राशिद ने एक और उपलब्धि अपने नाम कर ली। वह इससे पहले इसी टूर्नामेंट में टी20 प्रारूप में सर्वाधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज भी बने थे। लगातार पांच मैच जीतकर फाइनल तक पहुंची एमआई केपटाउन ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए काफी आक्रामक शुरूआत की और रियान रिकेलटन तथा रासी वान डेर डुसेन ने दस रन प्रति ओवर से भी अधिक तेजी से रन बनाए।

क्रेग ओवरटन ने पहला ओवर किफायती डाला जिसमें तीन ही रन बन सके लेकिन मार्को यानसेन को दूसरे ओवर में रिकेलटन ने डीप थर्ड मैन और फाइन लेग पर छक्के लगाये जबकि सिर के ऊपर से स्ट्रेट चौका जड़ा। वहीं वान डेर डुसेन ने अगले ओवर में ओवरटन को नसीहत देते हुए स्क्वेयर लेग के ऊपर से छक्का लगाया। रिकेलटन ने यानसेन का आत्मविश्वास तोड़ने में कोई कसर नहीं रखी और चौथे ओवर में उन्हें दो शानदार छक्के लगाकर रनगति को तेजी से आगे बढ़ाना जारी रखा।

पहले आफ स्टम्प से बाहर जाती शॉर्ट गेंद पर उन्होंने लेग साइड में छक्का लगाया और फिर कलाई का कमाल दिखाते हुए स्क्वेयर लेग के ऊपर शॉट खेलकर गेंद को सीमारेखा के पार पहुंचाया। इसके बाद हालांकि एमआई केपटाउन को लगातार दो झटके लगे। पांचवें ओवर में ओवरटन को वान डेर डुसेन ने छक्का जड़ा लेकिन आखिरी गेंद पर रिकेलटन (15 गेंद में चार छक्के और एक चौका) का विकेट लेकर उन्होंने सनराइजर्स को बड़ी सफलता दिलाई। कैच लियाम ग्लीसन ने लपका।

अगले ही ओवर में डॉसन ने रीजा हेंडरिक्स को खाता खोलने का मौका दिये बगैर आउट करके एमआई केपटाउन को दूसरा झटका दिया। पावरप्ले के बाद स्कोर दो विकेट पर 52 रन था। दो विकेट गिरने के बाद रनगति पर अंकुश लग गया और बायें हाथ के कलाई के स्पिनर डॉसन ने सातवें ओवर में सिर्फ चार ही रन दिए। वान डेर डुसेन शुरू ही से असहज लग रहे थे और 25 गेंद में 23 रन बनाने के बाद डॉसन को आगे बढ़कर खेलने के प्रयास में चूके लेकिन विकेट के पीछे ट्रिस्टन स्टब्स ने गिल्लियां बिखेरने में चूक नहीं की। एमआई पर बने दबाव को तोड़ने का प्रयास करते हुए जॉर्ज लिंडे ने सनराइजर्स के कप्तान एडेन माक्ररम को दसवें ओवर में लांग आन पर चौका लगाया। उन्होंने अगले ओवर में डॉसन को सिर के ऊपर से और फिर लांग आफ पर छक्का लगाने के साथ एक चौका भी जड़ा लेकिन आखिरी गेंद पर इसी तरह ऊंचा शॉट खेलने के प्रयास में लांग आफ पर ही ओवरटन को कैच दे बैठे। एमआई के 100 रन तेरहवें ओवर में बने। डेवाल्ड ब्रेविस ने कुछ अच्छे शॉट खेलते हुए डॉसन और एंडिले साइमलेन को दो दो छक्के लगाए। उन्हें 16वें ओवर में जानसेन ने माक्ररम के हाथों लपकवाकर फिर एमआई को दबाव में ला दिया। ब्रेविस ने सिर्फ 18 गेंद में 38 रन बनाए जिसमें चार छक्के और दो चौके शामिल थे।

इसके बाद निचले क्रम के बल्लेबाजों से ज्यादा उम्मीद करना बेमानी था। सनराइजर्स के लिये रिचर्ड ग्लीसन ने सबसे प्रभावी गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 22 रन देकर दो विकेट लिए।

चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर में रामनाथन-मायनेनी की जोड़ी खिताब बचाने में विफल, जापान की जोड़ी ने हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। मोचीजुकी और उईसुगी की गैरवरीय जापान की जोड़ी ने एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में रामनाथन और माइनेनी की सर्विस एक बार तोड़ी और 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की।

भारत के रामकुमार रामनाथन और साकेत माइनेनी की गत चैंपियन जोड़ी को शनिवार को खिताबी मुकाबले में जापान के शिंटारो मोचीजुकी और काइतो उईसुगी से हारने के बाद चेन्नई ओपन एटीपी चैलेंजर युगल स्पर्धा में उपविजेता बनकर संतोष करना पड़ा। मोचीजुकी और उईसुगी की गैरवरीय जापान की जोड़ी ने एक घंटे सात मिनट तक चले मुकाबले में रामनाथन और माइनेनी की सर्विस एक बार तोड़ी और 6-4, 6-4 से जीत दर्ज की। यह उईसुगी और मोचीजुकी के लिए दूसरा एटीपी चैलेंजर युगल खिताब था। मोचीजुकी ने 2019 में विंबलडन में लड़कों का एकल खिताब जीता था।

मैच के दौरान रचिन रविंद्र को लगी गंभीर चोट, सिर से बहा खून

लाहौर, एजेंसी। न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर रचिन रविंद्र को शनिवार को लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे ट्राई-नेशन सीरीज के मैच के दौरान फील्डिंग करते समय गंभीर चोट लग गई। खुशदिल शाह ने न्यूजीलैंड की पारी के 38वें ओवर की तीसरी गेंद पर स्लॉग-स्वीप खेला जिसे स्पिनर माइकल ब्रेसवेल ने फेंका था। डीप स्क्वायर लेग पर खड़े रचिन कैच लेने गए, लेकिन गेंद को देख नहीं पाए। इससे पहले कि वे गेंद को देख पाते, गेंद रचिन के चेहरे पर लगी और खिलाड़ी जमीन पर गिर पड़ा। चोट इतनी गंभीर थी कि उन्हें मैदान से बाहर ले जाने से पहले ही खून बहने लगा, संभवतः खून बहने से रोकने के लिए उनके माथे पर आइस पैक लगाया गया था। रचिन रविंद्र के लिए मैदान पर एक मुश्किल पल था, जब कैच लेने का प्रयास दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से चोट में बदल गया। ग्लेन फिलिप्स ने अपना पहला शतक लगाया और मिशेल सेंटनर ने तीन विकेट लिए जिससे न्यूजीलैंड ने लाहौर में त्रिकोणीय श्रृंखला के पहले मैच में पाकिस्तान पर 78 रनों की शानदार जीत दर्ज की। फिलिप्स ने 74 गेंदों पर सात छक्कों और छह चौकों की मदद से नाबाद 106 रन बनाए, जिससे ब्लैककैप्स ने 50 ओवर में 6 विकेट पर 330 रन बनाए।

चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान को डबल झटका, न्यूजीलैंड से हार और स्टार तेज गेंदबाज चोटिल

कराची, एजेंसी। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले पाकिस्तान को अपने घर पर बुरी तरह हार का सामना करना पड़ा है. ट्राई सीरीज के पहले मैच में न्यूजीलैंड ने लाहौर में पाकिस्तान की टीम को 78 रनों से रौंदा. कीवी टीम के लिए ग्लेन फिलिप्स ने सिर्फ 74 गेंद में नाबाद 106 रनों की शानदार पारी खेली. पाकिस्तान को इस मैच में डबल झटका लगा. टीम की शर्मनाक हार हुई और स्टार तेज गेंदबाज हारिस रऊफ चोटिल भी हो गए. अब उनका अगला मैच खेलना मुश्किल है. मैच की बात करें तो कीवी कप्तान मिशेल सैंटनर ने टॉस जीता, और पहले बैटिंग का फैसला लिया. शुरुआत खराब रही. पहले ही ओवर में शाहीन अफरीदी ने विल यंग को पवेलियन भेजा दिया. इसके बाद रचिन रवींद्र ने पांच चौके मारे, लेकिन 19 गेंद में 25 रन बनाकर वह भी चलते बने. सिर्फ 39 रनों पर न्यूजीलैंड के दो विकेट गिर गए थे. इसके बाद डेरिल मिचेल और केन विलियमसन ने मोर्चा संभाला. दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 95 रनों की साझेदारी की. 400 से ज्यादा दिन बाद वनडे खेलने उतरे केन विलियमसन ने 89 गेंद में सात चौकों की मदद से 58 रन बनाए. वहीं डेरिल मिचेल ने 84 गेंद में 81 रनों की पारी खेली. इसके बाद ग्लेन फिलिप्स का शो देखने को मिला. फिलिप्स ने 74 गेंद में नाबाद 106 रन बनाए. उनके बल्ले से 6 चौके और 7 छक्के निकले. उनका माइकल ब्रेसवेल ने भी अच्छा साथ दिया. उन्होंने 23 गेंद में एक चौके और तीन छक्के की मदद से 31 रन बनाए. इस तरह न्यूजीलैंड ने 50 ओवर में 330 रनों का स्कोर खड़ा किया. जवाब में पाकिस्तान की शुरुआत ठीक रही. बाबर आजम और फखर जमान पारी की शुरुआत करने आए और दोनों ने 52 रन जोड़े. हालांकि, इसमें बाबर के सिर्फ 10 रन ही रहे. बाबर 23 गेंद में 10 रन बनाकर ब्रेसवेल की गेंद पर कैच आउट हुए. फिर एक तरफ से विकेट गिरते रहे और एक तरफ से फखर जमान कीवी गेंदबाजों को धुनते रहे. कामरान गुलाम 32 गेंद में 18, मोहम्मद रिजवान 11 गेंद में तीन रन बनाकर आउट हो गए. वहीं जमान ने 69 गेंद में 84 रनों की पारी खेली.

आईपीएल टीमों को बीसीसीआई ने दिया बड़ा झटका, इस चीज के इस्तेमाल पर लगाई रोक

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने आईपीएल की शुरुआत से करीब डेढ़ महीने पहले अपने राज्य क्रिकेट संघों को एक बड़ा और सख्त निर्देश दिया है. बीसीसीआई ने राज्य संघों से सख्त लहजे में कहा है कि आईपीएल के लिए तय मैदानों को लीजेंड्स लीग और सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग आदि के लिए उपलब्ध ना कराया जाए. साथ ही बीसीसीआई ने आईपीएल टीमों को भी बड़ा झटका दिया. भारतीय क्रिकेट बोर्ड के मुताबिक मैदानों को आईपीएल फ्रेंचाइजी को भी अभ्यास के लिए नहीं दिए जाएंगे. बीसीसीआई ने राज्य क्रिकेट संघों को इसे लेकर एक ई–मेल भी भेजा है. बीसीसीआई ने इस मामले को लेकर राज्य क्रिकेट संघों को एक ई–मेल भेजा है. ई–मेल में बीसीसीआई ने कहा कि मैदान और आउटफील्ड साफ सुथरे रहें. हालांकि बीसीसीआई ने ये भी कहा है कि, रणजी ट्रॉफी के जो मैच पहले से निर्धारित है उनके लिए मुख्य स्क्वायर और आउटफील्ड का इस्तेमाल किया जा सकता है. लेकिन आईपीएल टीमों के अभ्यास सत्र, लीजेंड्स लीग, स्थानीय मैच और सेलिब्रिटी क्रिकेट लीग आदि के लिए मैदानों के इस्तेमाल पर रोक लगा दी गई है.

श्रीलंका में 13 साल बाद टेस्ट सीरीज जीता ऑस्ट्रेलिया

2-0 से क्लीन स्वीप किया, गॉल टेस्ट में 9 विकेट से हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया ने श्रीलंका के खिलाफ दूसरा टेस्ट 9 विकेट से जीत लिया है। टीम ने इसी के साथ दो मैचों की सीरीज 2-0 से जीत ली। ऑस्ट्रेलिया ने पहला टेस्ट पारी के अंतर से जीता था। ऑस्ट्रेलियाई टीम 13 साल के बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज जीती है। इससे पहले 2011 में जीती थी। इसके बाद 2 सीरीज खेली गई, एक श्रीलंका ने जीती और दूसरी ड्रॉ रही। दोनों टीमों के बीच दो मैचों की वनडे सीरीज का पहला मुकाबला 12 फरवरी को कोलंबो में खेला जाएगा।

गॉल में खेले गए मुकाबले में श्रीलंका टॉस जीतकर पहले बैटिंग करते हुए पहली पारी में 257 रन पर ऑलआउट हो गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 414 रन बनाए। इस आधार पर टीम को 157 रन की बढ़ मिली। मेजबान श्रीलंका दूसरी पारी में भी बड़ा स्कोर नहीं खड़ा कर सकी और 231 पर सिमट गई। इस तरह कंगारू टीम को 75 रन का टारगेट मिला, जो टीम ने 1 विकेट खोकर हासिल कर लिया। मेंडिस ने 50 रन बनाए श्रीलंका ने रविवार को चौथे दिन दूसरी पारी में 211/8 के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया।

सामंथा संग तलाक पर

पहली बार नागा चैतन्य ने तोड़ी चुप्पी

साउथ एक्टर नागा चैतन्य इन दिनों अपनी नई फिल्म 'थंडेल' को लेकर सुर्खियों में हैं. एक्टर की लंबे वक्त बाद बड़े पर्दे पर धमाकेदार वापसी से दर्शक काफी खुश हैं. इस बीच अब एक्टर ने अपनी पहली पत्नी और एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु संग संग अपने तलाक पर पहली बार चुप्पी तोड़ी है. उन्होंने बताया कि कैसे तलाक एक गॉसिप का विषय बन गया है. उन्होंने यह भी कहा कि वह समझते हैं कि टूटे हुए रिश्ते के मायने हैं क्योंकि वह टूटे हुए परिवार बच्चे हैं.

नागा चैतन्य ने एक पॉडकास्ट में बात करते हुए कहा, 'हम अपने-अपने तरीके से आगे बढ़ना चाहते थे. अपने-अपने कारणों से हमने यह फैसला लिया है और हम एक-दूसरे का सम्मान करते हैं. हम अपने-अपने तरीके से अपनी जिंदगी में आगे बढ़ रहे हैं. मुझे समझ नहीं आ रहा कि इसके लिए और क्या स्पष्टीकरण चाहिए. मुझे उम्मीद है कि दर्शक और मीडिया इसका सम्मान करेंगे. हमने प्राइवेसी की मांग की है. कृपया हमारा सम्मान करें और इस मामले में हमें प्राइवेसी दें, लेकिन दुर्भाग्य से यह एक हेडलाइन बन गई है. यह गॉसिप का विषय बन गया है. यह मनोरंजन बन गया है.'

क्यों नागा चैतन्य ने लिया तलाक?

नागा चैतन्य ने आगे कहा कि 'शादियां टूटती हैं, ऐसा नहीं है कि यह केवल मेरे जीवन में ही हो रहा है तो फिर मेरे साथ अपराधी जैसा व्यवहार क्यों किया जाता है? यह उस शादी में शामिल सभी लोगों की बेहतरी के लिए था, जो भी फैसला लिया गया, वह बहुत सोच-समझकर लिया गया फैसला था. दूसरे व्यक्ति के प्रति बहुत सम्मान था. मैं ऐसा इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि यह मेरे लिए बहुत संवेदनशील विषय है. मैं एक टूटे हुए परिवार से आया हूं. मैं एक टूटे हुए परिवार का बच्चा हूं, इसलिए मुझे पता है कि यह अनुभव कैसा होता है. मैं रिश्ता तोड़ने से पहले 1000 बार सोचूंगा, क्योंकि मुझे इसके परिणाम पता हैं. यह आपसी सहमति से लिया गया फैसला था.'

जीवन में आगे बढ़ गए हैं नागा-सामंथा

नागा चैतन्य ने यह भी बताया कि वह और सामंथा दोनों अपने-अपने जीवन में आगे बढ़ चुके हैं. एक्टर ने कहा, 'मैं बहुत ही शालीनता के साथ आगे बढ़ चुका हूं. वह बहुत ही शालीनता के साथ आगे बढ़ चुकी हैं. हम अपनी-अपनी जिंदगी जी रहे हैं. मुझे फिर से प्यार मिल गया है. मैं बहुत खुश हूं और हम एक-दूसरे का बहुत सम्मान करते हैं.' मालूम हो कि नागा चैतन्य ने 4 दिसंबर, 2024 को एक्ट्रेस शोभिता धूलिपाला से शादी की.

राजकुमार राव ने जीत अदाणी-दिवा शाह को दी शादी की बधाई

अभिनेता राजकुमार राव ने अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी के छोटे बेटे जीत अदाणी और दिवा शाह को शादी की बधाई दी। उन्होंने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक तस्वीर शेयर करते हुए दोनों को शुभकामनाएं दी। सोशल मीडिया पर एक्टिव अभिनेता ने अपने इंस्टाग्राम के स्टोरीज सेक्शन में एक तस्वीर शेयर की। शेयर की गई तस्वीर के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, प्यार भरी शादी।

खूबसूरत जोड़े जीत अदाणी और दिवा को बधाई। दिवा और जीत अदाणी पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ 7 फरवरी को शादी के बंधन में बंधे। दिवा सूरत के मशहूर हीरा कारोबारी जैमिन शाह की बेटी हैं। गौतम अदाणी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नवविवाहित जोड़े की

तस्वीर शेयर करते हुए पोस्ट में लिखा था, परमपिता परमेश्वर के आशीर्वाद से जीत और दिवा आज विवाह के पवित्र बंधन में बंध गए। यह विवाह अहमदाबाद में प्रियजनों के बीच पारंपरिक रीति-रिवाजों और शुभ मंगल भाव के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर सिर्फ दोनों परिवार के रिश्तेदार और कुछ बेहद करीबी पारिवारिक मित्र मौजूद थे। उद्योगपति ने बताया कि यह एक छोटा और अत्यंत निजी समारोह था और इसलिए वह सभी शुभचिंतकों को आमंत्रित नहीं कर सके। गौतम अदाणी ने पोस्ट में दिवा को बेटी कहा है। उन्होंने लिखा, मैं आप सभी से बेटी दिवा और जीत के लिए स्नेह और आशीष का हृदय से आकांक्षी हूं। तस्वीर में गुलाब की पंखुड़ियों से पटे स्टेज पर पारंपरिक वैवाहिक जोड़े में जीत और दिवा बेहद खूबसूरत दिख रहे हैं। जीत अदाणी वर्तमान में देश की सबसे बड़ी एयरपोर्ट इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स के निदेशक हैं। कंपनी देश के आठ हवाई अड्डों के प्रबंधन एवं विकास से जुड़ी है। जीत हवाई अड्डा कारोबार के अलावा अदाणी समूह के डिफेंस, पेट्रोकेमिकल्स और कॉपर कारोबार का काम भी देख रहे हैं। वह समूह के डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन के प्रभारी भी हैं। गौतम अदाणी ने 21 जनवरी को महाकुंभ में घोषणा की थी कि जीत की शादी का समारोह बेहद छोटा और निजी होगा।

सैफ अली खान की रिकवरी को लेकर बोले जयदीप अहलावत

सैफ अली खान खुद पर हुए हमले के बाद रिकवरी कर रहे हैं। सैफ की रिकवरी को लेकर जयदीप अहलावत ने भी बात की है। उन्होंने कहा कि मैं सैफ को लगी चोट के निशान देखे हैं। सैफ अली खान हमले के बाद हाल ही में ज्वैल थीफ की स्क्रीनिंग में लोगों के सामने आए। उन्होंने नेक्स्ट ऑन नेटफ्लिक्स इवेंट में भाग लिया, जहां उन्होंने अपनी आगामी फिल्म ज्वेल थीफ - द हीस्ट बिगिन्स का टीजर भी लॉन्च किया। इस फिल्म में जयदीप अहलावत भी उनके साथ नजर आने वाले हैं। इस फिल्म और सैफ को लेकर जयदीप अहलावत ने कुछ बातें की हैं।

सैफ को लेकर बोले जयदीप अहलावत

जयदीप अहलावत ने सैफ अली खान की ताकत की सराहना की है। उन्होंने कहा, मुझे पता है कि वह चोटिल हैं। मैंने उनके निशान और सब कुछ देखा है। जयदीप अहलावत ने लोगों की प्रतिक्रिया पर कहा कि उनकी चोट मैंने देखी हैं। उन्होंने सही मानसिकता के साथ परिस्थिति का सामना किया। वह बिना देर किए काम पर भी लौट आए। बता दें कि सैफ अली खान इस कार्यक्रम में अपने हाथ में प्लास्टर और गर्दन पर पट्टी बांधे हुए दिखाई दिए थे।

सलाम-ए-इश्क में एक सीन करने के दौरान डर गईं थीं अंजना सुखानी, बोलीं- जबरदस्ती करना पड़ा

अंजना सुखानी ने फिल्म मेकर निखिल आडवाणी की फिल्म को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि फिल्म में किसिंग सीन को लेकर वो बहुत घबरा गई थी, लेकिन वे इंडस्ट्री में नई थीं, इसलिए उन्हें ऐसा करना पड़ा। निखिल आडवाणी की

फिल्म सलाम-ए-इश्क में नजर आई अभिनेत्री अंजना सुखानी ने हाल ही में एक इंटरव्यू में बताया कि फिल्म के सेट पर उनका अनुभव बहुत खराब रहा। अंजना ने कहा कि निखिल उनके साथ बहुत बुरे और स्ट्रिक्ट रहे। उन्होंने बताया कि बिना किसी पूर्व चेतावनी के लिए अनिल कपूर के साथ किसिंग सीन करने के लिए मजबूर किया गया। अंजना ने कहा कि उन्हें इस मांग को मानसिक रूप से समझने का कोई समय नहीं दिया गया और उनके आसपास के लोगों ने शायद यह मान लिया कि वे नई आई हैं, इसलिए कुछ भी करने से मना नहीं करेगी। अंजना ने कहा कि वह रोना चाहती थीं और उन्हें ऐसा नहीं लगा कि उनके पास मना करने की शक्ति है इसलिए वह मान गईं।

बातचीत में अंजना ने कहा कि जब कोई नया इंडस्ट्री में आता है, तो दूसरे लोग सोचते हैं कि वे उनके साथ बुरा व्यवहार करके बच सकते हैं क्योंकि उन्हें इसके लिए जिम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा। जब उनसे पूछा गया कि क्या स्टार किड्स के साथ भी ऐसा ही व्यवहार किया जाता है तो अंजना ने जबरदस्ती करवाए गए किसिंग सीन के बारे में बात की।

रश्मि देसाई ने बताई इच्छा, किन निर्देशकों के साथ करना चाहती हैं काम

अभिनेत्री रश्मि देसाई कई सफल टीवी शो में काम कर चुकी हैं। हालांकि, कुछ निर्देशकों के साथ वह काम नहीं कर पाई हैं। समाचार एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में उन्होंने अपनी ख्वाहिश का इजहार किया और बताया कि कौन-कौन से निर्देशकों के साथ वह काम करना चाहती हैं। रश्मि देसाई ने कहा, मैंने यह कई बार कहा है और आज फिर कहूंगी। मैं इम्तियाज अली और संजय लीला भंसाली के साथ काम करना चाहती हूं। मैं ऑडिशन देने के लिए तैयार हूं और मुझे उम्मीद है कि मुझे इस जीवन में उनके साथ काम करने का अवसर जरूर मिलेगा।

जिस तरह से वे लोगों को जीवन के प्रति एक नया नजरिया देते हैं, वह बहुत खूबसूरत है। उनसे जब यह पूछा गया कि क्या उन्हें लगता है कि बॉलीवुड, टीवी कलाकारों को टाइपकास्ट करता है। इस पर उन्होंने जवाब देते हुए कहा, वे करते हैं, कठिनाई जीवन का एक हिस्सा है। जब आप कड़ी मेहनत करते हैं, जब आप अच्छा काम करते हैं, तो आपको अपने परिश्रम का फल जरूर मिलता है। आपको चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। वे आपको टीवी एक्टर, ओटीटी एक्टर, फिल्म एक्टर बनाते हैं, लेकिन मुझे लगता है, एक एक्टर एक एक्टर है।

रश्मि देसाई आखिरी बार व्यंग्य एक्शन कॉमेडी 'हिसाब बराबर' में नजर आई थीं। फिल्म की कहानी लिखने के साथ निर्देशन भी अश्विनी धीर ने ही किया। फिल्म का निर्माण जियो स्टूडियो ने एसपी सिनेकॉर्प के सहयोग से किया है। रश्मि देसाई के साथ इस प्रोजेक्ट में आर. माधवन मुख्य भूमिका में हैं। इसके साथ ही फिल्म में नील नितिन मुकेश, कीर्ति कुल्हारी और फैजल राशिद समेत अन्य कलाकार महत्वपूर्ण भूमिका में हैं। फिल्म की कहानी एक रेलवे टिकट परीक्षक राधे मोहन शर्मा पर आधारित है, जो अपने बैंक खाते में एक छोटी सी गड़बड़ी को नोटिस करता है।

जीता तो मैं ही हूं, बिग बॉस 18 से बाहर आकर विवियन डीसेना ने दिया बड़ा बयान

विवियन डीसेना अपने शो बिग बॉस 18 को लेकर काफी चर्चा में हैं। विवियन डीसेना ने कहा कि शो तो मैं ही जीता हूं। इसके अलावा विवियन ने टीवी और बॉलीवुड को लेकर भी अपनी बात कही है। उन्होंने कहा कि अनुराग कश्यप ने उन्हें फिल्म करने के बारे में भी पूछा।

विवियन ने शो को लेकर कही ये बात

भारती सिंह और हर्ष को दिए पॉडकास्ट में विवियन डीसेना ने बिग बॉस 18 को लेकर कहा, जीता तो मैं ही हूं, दिल तो मैंने ही जीता है। ट्रॉफी न मिलना भी भाग्य है। मैं सच बताऊं कि भारत और भारत के बाहर के लोग इतना पसंद करेंगे। घर के अंदर हमें ऐसा लगता है कि पता नहीं मैं लोगों को पसंद आ रहा हूं या नहीं।

फैंस को लेकर ऐसा सोचते हैं विवियन

विवियन ने कहा कि मुझे लगा कि आप कहीं कोई प्रभाव डालें या न डालें लोगों के दिलों पर आपकी छाप और आपका प्रभाव पड़ना जरूरी है। विवियन डीसेना ने कहा, मैं न पहले अलग था, न अब अलग हूं। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं। मैंने शो में अपने गुस्से पर भी कंट्रोल किया है।

टीवी में ही काम करना चाहते हैं विवियन

विवियन डीसेना ने कहा कि वे आगे भी टीवी में ही काम करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मेरी मां ने कहा जहां तुझे राजपाट मिला है तू वहीं काम कर। विवियन ने बताया कि घर से बाहर आने के बाद अनुराग सर ने कहा फिल्मों के बारे में, मैंने कहा नहीं सर। विवियन ने कहा कि जो मैं करता हूं अपनी पूरी शिद्दत से करता हूं। अपना एक अलग लगाव भी होता है।

5 बच्चे, 3 बार तलाक

66 की उम्र में चौथी शादी करेंगे सिंगर लकी अली?

'एक पल जीना', 'ओ सनम', और 'आ भी जा, आ भी जाऽ' जैसे गाने आपको याद होंगे। ये 90 के दशक बेहतरीन गानों में से एक रहे हैं। इन गानों को गाने वाले सिंगर लकी अली हैं। उन्होंने म्यूजिक इंडस्ट्री के एक से बढ़कर एक गाने दिए हैं, जो आज भी लोगों के जहन में हैं। अगर आज भी उनके पुराने गाने बज जाए तो मानों दिन ही बन जाता है। लकी अली उन सितारों में से हैं, जो प्रोफेशनल के साथ अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहते हैं। वो 66 साल के हैं। ऐसे में अब वो एक बार फिर से अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों

में आ गए हैं। तीन शादियां टूटने के बाद लकी अली ने सरेआम चौथी बार शादी की इच्छा जाहिर की है। चलिए बताते हैं उन्होंने क्या कुछ कहा। दरअसल, सिंगर लकी अली ने हाल ही में दिल्ली के एक इवेंट में शिरकत की थी। दिल्ली में सुंदर नर्सरी में आयोजित हुए 18वें कथाकार इंटरनेशनल स्टोरीटेलर फेस्टिवल में सिंगर पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने खुद की लाइफ को लेकर बात की और शादी को लेकर बात करते हुए चौथी शादी की इच्छा जाहिर की है, जिसके बाद उनके इस बयान की चर्चा चारों तरफ होने लगी है।

लकी अली चौथी शादी को लेकर क्या बोले?

इस फिल्म फेस्टिवल में लकी अली ने अपनी परफॉर्मेंस से फैंस का दिल जीता और इस इवेंट को और भी यादगार बना दिया।

परिवार संग महाकुंभ में आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे पंकज त्रिपाठी, ट्रैफिक को लेकर कही ऐसी बात

अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने त्रिवेणी संगम में आस्था की डुबकी लगाई। शनिवार को प्रयागराज में चल रहे महाकुंभ में पहुंचे। इस कुंभ के माहौल को मिर्जापुर के कालीन भैया ने आध्यात्मिक बताया। उन्होंने इसके साथ ही प्रयागराज के ट्रैफिक को लेकर भी बात की है।

पंकज त्रिपाठी ने कही ये बात

मिर्जापुर अभिनेता पंकज त्रिपाठी ने इसके बाद एएनआई से बात की। त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने के बाद उन्होंने कहा, यहां का माहौल बहुत आध्यात्मिक है। यह शानदार है। मैं बहुत खुश हूं क्योंकि मुझे त्रिवेणी संगम में पवित्र स्नान करने का अवसर मिला। भगवान ने हमें इस पवित्र स्थान पर जाने का मौका दिया।

संगम में लगानी थी डुबकी

पंकज त्रिपाठी ने कहा, हमें संगम में डुबकी लगाना था तो वो भी इच्छा पूरी हुई। हर हर महादेव परमात्मा ने ये मौका दिया है कि हम आकर डुबकी लगा लिए। मुझे वट वृक्ष देखना था वो देख आए।

बाकी सुबह संगम पर डुबकी लगा लिए। रात को किले से एरियल व्यू भी देख लिए। अब हमें निकलने दीजिए दूर जाना है और ट्रैफिक बहुत है।

नीना गुप्ता ने कुंभ को लेकर कही ये बात

पंकज त्रिपाठी के अलावा अभिनेत्री नीना गुप्ता भी यहां पहुंची। उन्होंने कहा, मैं सालों से यहां आना चाहती थी। यह एक अनूठा अनुभव था।

आखिरकार, आज मैंने डुबकी लगाई। उन्होंने आगे कहा, यहां का माहौल अद्भुत है। मैंने अपने जीवन में इससे बड़ी भीड़ कभी नहीं देखी। मैं सरकार द्वारा इतने बड़े आयोजन के लिए किए गए आयोजन से प्रभावित हूं।

कुंभ में पहुंचे ये बॉलीवुड अभिनेता

प्रयागराज में 144 वर्ष में एक बार होने वाला 45 दिवसीय महाकुंभ 2025, 13 जनवरी को शुरू हुआ। भारतीय फिल्म उद्योग की कई हस्तियों ने महाकुंभ मेले के दौरान अपनी प्रार्थनाएं की हैं।

साभार एजेंसी